@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हरियाणा वाटिका

लोहारू से प्रकाशित — सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक : 196 पृष्ठ : 08, मूल्य : रू. 1.00 बुधवार, 21 मई 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

प्रेरणास्त्रोत: स्व. डॉ. एलसी वालिया

वक्फ संशोधन कानून पर आज भी होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अंतरिम राहत के लिए मजबूत मामला पेश करने की जरूरत

नई दिल्ली/हरियाणा वाटिका एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की सांविधानिक वैधता को चुनौती वाली याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई की। कोर्ट ने कानून को लेकर अंतरिम आदेश पारित करने से पहले तीन घंटे तक सुनवाई। सुनवाई के दौरान सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने कहा कि कानून पर रोक लगाने और अंतरिम राहत के लिए मजबूत मामला पेश करने की जरूरत है। अन्यथा संवैधानिकता की धारणा बनी रहेगी। याचिकाकर्ता के वकीलों की दलीलों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार का पक्ष सुनने के लिए बुधवार को सुनवाई तय की है। सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम आदेश पारित करने के लिए पहचाने गए तीन मुद्दों पर सुनवाई को सीमित करने का अनुरोध किया। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि तीन मुद्दों में अदालतों द्वारा वक्फ, उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ या विलेख द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति शामिल है।

'लोग अभी भी खजुराहो मंदिर में जाकर प्रार्थना करते हैं'

धार्मिक गतिविधि को स्वतंत्र रूप से करने के अधिकार पर रोक लगा दी गई है।

कोर्ट का जवाब: सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि लोग अभी भी खजुराहो मंदिर में जाकर प्रार्थना करते हैं, हालांकि इसे एक प्राचीन स्मारक के रूप में संरक्षित किया गया है।

लोगों को प्रार्थना करने से रोक दिया जाएगा': कपिल

कपिल सिब्बल ने कहा कि पहले, हालांकि संपत्ति को एक प्राचीन स्मारक के रूप में संरक्षित किया गया था, लेकिन संपत्ति की पहचान वक्फ होने से नहीं बदली और सरकार को हस्तांतरित हो गई। अब ऐसी वक्फ संपत्ति शून्य हो जाएगी और एक बार वक्फ शून्य हो जाने पर लोगों को प्रार्थना करने से रोक दिया जाएगा।

कोई भी सुनवाई टुकड़ों में नहीं हो सकती: सिब्बल

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और वक्फ कानून का विरोध करने वाले अन्य लोगों ने कहा कि कोई भी सुनवाई टुकड़ों में नहीं हो सकती। अधिनियम को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले सिब्बल ने दलील दी कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 वक्फों की रक्षा के लिए बनाया गया है, लेकिन वास्तव में यह एक गैर-न्यायिक, कार्यकारी प्रक्रिया के माध्यम से वक्फ पर कब्जा करने के लिए बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि वक्फ अल्लाह को दिया गया दान है और इसके अनुसार संपत्ति को हस्तांतरित नहीं किया जा सकता है- एक बार वक्फ, हमेशा वक्फ।

पीठ ने 15 मई को सुनवाई 20 मई तक टाली थी

राज्य वक्फ बोर्डों और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना से संबंधित है, जहां उनका तर्क है कि पदेन सदस्यों को छोड़कर केवल मुसलमानों को ही काम करना चाहिए। तीसरा मुद्दा उस प्रावधान से संबंधित है, जिसके अनुसार, जब कलेक्टर यह पता लगाने के लिए जांच करेगा कि संपत्ति सरकारी भूमि है या नहीं, तो वक्फ संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा। पीठ ने कानून की वैधता को चुनौती देने वालों की ओर से पेश कपिल सिब्बल और अन्य व केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से 19 मई तक अपने लिखित नोट दाखिल करने को कहा था।

डी.एल.एड. परीक्षा मार्च-2025 का परीक्षा परिणाम घोषित

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा संचालित करवाई गई डी.एल.एड. प्रवेश वर्ष 2020-2022, 2021-2023 के छात्र-अध्यापकों की मर्सी चांस एवं प्रवेश-वर्ष 2022-2024 प्रथम व द्वितीय वर्ष (रि-अपीयर) व प्रवेश-वर्ष 2023-2025 प्रथम वर्ष (रि-अपीयर) परीक्षाएं मार्च-2025 का परिणाम घोषित कर दिया गया है। सम्बन्धित छात्र-अध्यापक अपना परीक्षा परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर दिए गए लिंक पर देख सकते हैं। इस आशय की जानकारी देते हुए बोर्ड के प्रवक्ता ने बताया कि डी.एल.एड. परीक्षाएं मार्च-2025 की परीक्षा में प्रदेशभर में कुल 6252 छात्र-अध्यापक प्रविष्ट हुए। उन्होंने बताया कि डी.एल.एड. प्रवेश वर्ष 2020-2022 प्रथम वर्ष (मर्सी चांस) की पास प्रतिशतता 42.86 एवं द्वितीय वर्ष (मर्सी चांस) की पास प्रतिशतता 62.07 रही है। इसी प्रकार डी.एल.एड. प्रवेश वर्ष 2021-2023 प्रथम वर्ष (मर्सी चांस) की पास प्रतिशतता 66.67 एवं द्वितीय वर्ष (मर्सी चांस) की पास प्रतिशतता 80.75 रही है। उन्होंने बताया कि डी.एल.एड. प्रवेश वर्ष 2022-2024 प्रथम वर्ष (रि-अपीयर) में 1200 छात्र-अध्यापक प्रविष्ट हुए, जिनमें से 531 उत्तीर्ण रहे, जिनकी पास प्रतिशतता 44.25 रही है।

पहलगाम हमले में मारे गए पर्यटकों को शहीद का दर्जा देने के लिए दायर याचिका खारिज

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले में मारे गए 26 पर्यटकों को शहीद घोषित करने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। पहलगाम हमले में भारतीय नौ सेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की भी जान गई थी। इससे पहले बीते सप्ताह मंगलवार को याचिका पर सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

यह जनहित याचिका हाईकोर्ट के वकील आयुष आहूजा ने दायर की थी। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि जिन निर्दोष पर्यटकों की हत्या की गई, उन्हें आतंकियों ने धर्म के आधार पर निशाना बनाया। पर्यटकों ने आतंकवादियों का सैनिक की तरह सामना किया, उन्हें शहीद का दर्जा दिया जाना चाहिए। केंद्र सरकार की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल सत्यपाल जैन ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता को नहीं पता भारत सरकार क्या-क्या कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि हम संभावित युद्ध की स्थिति में हैं, इस समय ऐसे मुद्दों को उठाना उचित नहीं है। चीफ जस्टिस शील नागू ने कहा कि अगर कोई सैनिक शहीद होता है, तो उसे भी पुरस्कार देने में कम से कम एक साल का समय लगता है। याची को अभी इस मामले में सब्र रखते हुए इंतजार करना चाहिए। याचिका में मांग की गई थी कि पहलगाम को स्मरणीय शहीद हिंदू घाटी पर्यटक स्थल घोषित किया जाए। चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस सुमित गोयल की खंडपीठ ने सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की कि क्या उन्हें शहीद घोषित करना संविधान के अनुच्छेद 226 के अंतर्गत आता है? इसका कोई एक उदाहरण बताएं। यह प्रशासनिक विषय है, नीति का मामला है और इसे कार्यपालिका पर छोड़ देना चाहिए। क्या हम इसे कर सकते हैं? सभी पक्षों को सुनने के बाद चीफ जस्टिस शील नागू ने कहा कि वह इस पर आदेश पारित करेंगे और कोर्ट ने निर्णय को सुरक्षित रख लिया था।

कल सुनी जाएंगी पंचकूला जिला के उपभोक्ताओं की शिकायतें

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली की आपूर्ति उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। यूएचबीवीएन पंचकूला के कॉरपोरेट शिकायत निवारण मंच के चेयरमैन एवं सदस्यों द्वारा मंच की कार्यवाही 21 मई, 2025 को पंचकूला कार्यालय में की जाएगी। इस दौरान केवल पंचकूला जिला के उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई की जाएगी।

सिख उद्योगपतियों के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम सैनी से की मुलाकात

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से सिख उद्योगपतियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। यह भेंट संत कबीर कुटीर आवास पर हुई, जिसमें राज्य में औद्योगिक विकास, निवेश संभावनाएं और सामाजिक सहयोग जैसे अनेक पहलुओं पर विस्तृत बातचीत की गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, ओएसडी डॉ प्रभलीन सिंह, विदेश सहयोग विभाग के एडवाइजर पवन चौधरी भी उपस्थित थे प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठित सिख उद्योगपति शामिल थे, जिनमें ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, कृषि, आईटी और फूड प्रोसेसिंग उद्योगों के प्रमुख नाम थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल के साथ संवाद करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही स्कीमों के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं के बारे में जानकारी दी, जिनका उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना और रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। सिख उद्यमियों के प्रतिनिधिमंडल ने चर्चा के दौरान राज्य सरकार द्वारा व्यापारी वर्ग के लिए बनाई की स्कीमों की तारीफ की। उनका कहना था कि प्रदेश में सरकार ने व्यापारी वर्ग को साकारात्मक माहौल दिया है। साथ ही निवेश में बढ़ौतरी की रूचि भी जताई और सुझाव दिया कि उद्योगों की स्थापना के लिए कुछ प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए, जिससे छोटे और मध्यम वर्ग के उद्यमियों को भी लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इन सुझावों को गंभीरता से लिया और कहा कि राज्य सरकार "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस दौरान सामाजिक कल्याण, कौशल विकास और युवाओं के लिए रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने सरकार के विकास के दृष्टिकोण की सराहना की और भरोसा जताया कि हरियाणा उद्योग और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में आगे बढ़ता रहेगा।

फूड प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लगाने पर दी जा रही सब्सिडी

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा सरकार राज्य में सुक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास के लिए विशेष ध्यान केंद्रित कर रही है। केंद्र सरकार की "प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना" को प्रदेश के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उक्त योजना के तहत "फूड प्रोसेसिंग कॉमन इंफ्रास्ट्रक्चर" लगाने पर 35 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है, अधिकतम सीमा 3 करोड़ रुपये रखी गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए एफपीओ/एफपीसी, सहकारी (सहकारिता), एसएचजी (स्वयं सहायता समूह)/सरकारी एजेंसियां आवेदन कर सकती हैं।

प्रवक्ता ने बताया कि फूड प्रोसेसिंग के साथ सामान्य सुविधाएं, जैसे सॉर्टिंग-ग्रेडिंग, वेयरहाउस, फार्म -गेट -कोल्डस्टोरेस, खाद्य उत्पाद हेतु सामान्य प्रसंस्करण सुविधाओं हेतु क्रेडिट लिंकेज के साथ 35 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है उन्होंने आगे कहा कि एक सुविकसित खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर जिसमें प्रसंस्करण का प्रतिशत अधिक हो, अपव्यय को कम करने में मदद करता है।

एसवाईएल का पानी लाना तो दूर भाखड़ा का पानी भी नहीं ला पा रही सरकार: डॉ अजय सिंह

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

जननायक जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को सुबह हरियाणा के राज्यपाल महामहिम बंडारू दत्तात्रेय से मिला और उन्हें हरियाणा के पेयजल संकट के बारे में अवगत करवाया। वहीं सायं को जेजेपी नेता पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से मिलकर उन्हें हरियाणा में गहराए जल संकट के बारे में विस्तार से बताया। जेजेपी नेताओं ने दोनों प्रदेशों के महामहिमों को इस पेयजल संकट का तुरंत समाधान करने एवं भाखड़ा, एसवाईएल को

लेकर ज्ञापन सौंपा। राज्यपालों को ज्ञापन सौंपने के उपरांत राजभवन के बाहर पत्रकारों से बातचीत करते हुए जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने कहा कि हरियाणा में पेयजल संकट गहराया हुआ है और लोगों को पीने के पानी के लाले पड़े है। डॉ चौटाला ने कहा कि पंजाब सरकार ने पहले एसवाईएल और अब भाखड़ा का पानी न देकर हरियाणा की जनता के हितों से साथ धोखा किया है। वहीं हरियाणा की भाजपा सरकार एसवाईएल का पानी लाना तो दूर भाखड़ा का पानी भी नहीं ला पा रही है। उन्होंने कहा कि दोनों प्रदेश के राज्यपाल इस गंभीर मसले पर तुरंत संज्ञान लें और इन्हें हल करवाएं। जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने कहा कि एसवाईएल पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला हरियाणा के हक में आने के बावजूद भी पिछले दो सालों से केंद्र सरकार द्वारा एसवाईएल को लेकर कोई बैठक नहीं की गई।

पीएम-आरकेवीवाई की समिति की बैठक में मिली मंजूरी

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा में कृषि और बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2025-26 के लिए 1267.49 करोड़ रुपये की वार्षिक योजना को मंजूरी दी गई है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में हुई प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) की राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति की बैठक में इस धनराशि स्वीकृति मिली है। आवंटित धनराशि का उपयोग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएसएचएयू), हिसार, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल, केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान (सीएसएसआरआई), करनाल और भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, (आईआईडब्ल्यूबीआर), करनाल जैसे संस्थानों द्वारा किया जाएगा। अब योजनाओं को अंतिम मंजूरी के लिए केंद्रीय कृषि मंत्रालय को भेजा जाएगा। कृषि और किसान कल्याण विभाग द्वारा पीएम-आरकेवीवाई के तहत ऑन-फार्म जल प्रबंधन को प्राथमिकता देकर प्रदेश में भूजल स्तर में गिरावट के गंभीर मुद्दे को हल करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। यह पहल खास तौर पर करनाल, कैथल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सोनीपत और यमुनानगर जैसे प्रमुख जिलों में भूमिगत जल की निरंतर कमी से निपटने के लिए कारगर साबित होगी।

सूरजमुखी की खरीद के लिए 17 मंडियां खोली गई

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता विभाग जल्द ही सूरजमुखी की खरीद शुरू करेगा। रबी विपणन सीजन 2025 - 26 के लिए आगामी 1 जून से 30 जून तक सूरजमुखी की खरीद की जानी है। सूरजमुखी की खरीद हेतु राज्य में 17 मंडियां खोली जा चुकी हैं। सरकार द्वारा सूरजमुखी का न्यूनतम समर्थन मूल्य 7,280 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है। राज्य में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष 44,062 मीट्रिक टन सूरजमुखी की पैदावार होने की संभावना है। हरियाणा की दो खरीद संस्थाओं हैफेड और हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा सूरजमुखी की खरीद का कार्य किया जाएगा।

सूरजमुखी की खरीद के लिए राज्य की 17 मंडियों में अम्बाला शहर, अम्बाला कैंट, बराड़ा, मुलाना, शहजादपुर, साहा, नारायणगढ़, करनाल, इस्माइलाबाद, थानेसर, थोल, शाहबाद, लाडवा, बबैन, झांसा, बरवाला (जिला पंचकूला) और जगाधरी शामिल हैं।

न्यायिक कर्मचारियों को आवास आरक्षण न देने पर हाइकोर्ट ने मुख्य सचिव को निजी तौर पर तलब किया

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के अधीनस्थ न्यायालयों के कर्मचारियों को आवास आरक्षण के आदेश की पालना न किए जाने के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव के खिलाफ अदालत के आदेशों की जानबूझकर अवहेलना करने पर अवमानना की कार्यवाही शुरू कर दी है। मुख्य सचिव को 25मई को निजी तौर पर उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

अधीनस्थ न्यायालयों के कर्मचारियों को सरकारी आवास में 15 प्रतिशत आरक्षण देने की सिफारिश शेठी आयोग ने की थी। कोर्ट ने साफ कहा कि इस आदेश को लागू करने से रोकने के लिए एक सोची-समझी साजिश रची गई है।

जस्टिस हरकेश मनूजा की एकल पीठ ने कहा कि रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि शेठी आयोग ने 31 मार्च 2003 को सिफारिश की थी कि सरकारी आवासों के सामान्य पूल में से 15 प्रतिशत आवास न्यायिक कर्मचारियों के लिए आरक्षित किए जाएं। इन्हें संबंधित जिले के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अथवा वहां के वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी को आवंटन के लिए सौंपा जाए। यह सिफारिश 1 अप्रैल 2003 से लागू भी हो गई थी।

राज्य सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध, हरियाणा को 'शून्य अपराध' वाला राज्य बनाना हमारा लक्ष्य: मुख्यमंत्री, शिकायतें धैर्यपूर्वक सुनें, तुरंत एफआईआर दर्ज करें

राज्य में गैंगस्टरों के लिए कोई जगह नहीं: सीएम नायब सैनी

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने पुलिस और सिविल प्रशासन को निर्देश दिए कि वे जमीनी स्तर पर एक टीम के रूप में कार्य करें ताकि अपराध और अपराधियों का प्रभावी तरीके से खात्मा किया जा सके। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य हरियाणा को एक 'शून्य अपराध राज्य बनाना है। मुख्यमंत्री आज सिविल सचिवालय में अपराध और कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में मुख्य

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी अपराध, कानून एवं व्यवस्था पर चंडीगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए। (20.05.2025)

सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, जेल महानिदेशक मोहम्मद अकील, हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक ओ.पी. सिंह, एडीजीपी सीआईडी सौरभ सिंह सहित पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हरियाणा में अपराध दर में आई उल्लेखनीय कमी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हरियाणा में अपराध दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है, लेकिन इसे पूरी तरह खत्म करने के लिए निरंतर और लक्षित प्रयास जारी रखने होंगे। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिया कि थाने में आने वाले हर व्यक्ति की बात ध्यान से सुनी जाएं, शिकायतों की तुरंत एफआईआर दर्ज की जाएं और उस पर त्वरित कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि इससे पीड़ितों को समय पर न्याय मिलेगा और पुलिस के प्रति जनता का विश्वास भी मजबूत होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी शिकायतकर्ता को एफआईआर दर्ज करवाने के लिए बार-बार थाने के चक्कर न लगाने पड़ें। यदि किसी कारणवश एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती, तो पुलिस को उसे स्पष्ट कारणों की जानकारी देनी होगी ताकि शिकायतकर्ता संतुष्ट हो सके।

ड्रग्स के खिलाफ राज्य सरकार के अभियान दें रहे सकारात्मक परिणाम: मुख्यमंत्री ने नशे के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा चलाए गए अभियानों जैसे साइक्लोथॉन और जागरूकता कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए बताया कि इन पहलों से युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर सकारात्मक जागरूकता फैली है। उन्होंने कहा कि सिर्फ युवां ही नहीं, समाज के सभी वर्गों ने इन अभियानों में उत्साहपूर्वक भाग लिया है, जिससे नई पीढ़ी को नशे से दूर रखने में मदद मिली है।

सीमावर्ती जिलों और संवेदनशील इलाकों में पुलिस की निगरानी बढ़ेगी, नशे की सप्लाई चेन पर चोट

पुलिस को निर्देश दिए कि ग्राम स्तर पर सरपंचों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की भागीदारी सुनिश्चित कर नशे के खिलाफ अभियान को और मजबूत किया जाएं। जो लोग पहले से नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें तुरंत नशा मुक्ति केंद्रों में उपचार की सुविधा मिलनी चाहिए। राज्य के सभी नशा मुक्ति केंद्रों की नियमित जांच की जाए ताकि दवाइयों और जरूरी संसाधनों की उपलब्धता बनी रहे।

श्रुति ने विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए और प्रदेश में पानी की व्यवस्था को लेकर सिंचाई विभाग व पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की।

यह बैठक मंत्री श्रुति चौधरी के चंडीगढ़ स्थिति आवास कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के आयुक्त एवं सचिव, मोहम्मद शाईन, विभाग के ईआईसी राकेश चौहान, बीरेंद्र सिंह, एसएस कादियान समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में मंत्री श्रुति चौधरी ने विभाग द्वारा पीने के पानी को लेकर किए जा रहे कार्यों की

समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में किसी भी जिले में पीने के पानी की किल्लत नहीं होनी चाहिए। नए रॉस्टर के तहत जल्द ही हरियाणा को पानी मिल जाएगा, तब तक सभी अधिकारी व कर्मचारी फील्ड में रहें। अगर किसी भी क्षेत्र में हालात गंभीर नजर आते हैं तो उसी समय पानी के टैंकर व ट्यूबवैल के जरिए स्थिति को नियंत्रित करें ताकि आम जनता को परेशानी ना हो।

अवैध रूप से भारत में रह रहे प्रवासियों को लेकर भिवानी पुलिस ने चलाया विशेष सर्च अभियान

पांच टीमें बनाकर भिवानी पुलिस ने भिवानी की दो झुग्ग-झोपड़ी क्षेत्र में की कार्रवाई

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 20 मई। भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले दिनों उपजे तनाव के बाद अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को भारत से बाहर भेजने को लेकर कार्रवाई शुरू हो गई है। इसी के तहत आज सुबह भिवानी पुलिस ने 5 टीमें बनाकर जिला के दो झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों मे छापेमार कार्रवाई की। जिसमें 40 संद्गिध लोगों के दस्तावेज चैक किए, जिसके बाद 9 व्यक्तियों के आधार कार्ड मैच ना होने के चलते उन्हे पूछताछ के लिए थाना ले जाया गया।

भिवानी के दादरी रोड़ स्थित डंपिंग प्वाईंट के सामने वाली की झुग्गी व तोशाम रोड़ स्थित डाबर कॉलोनी क्षेत्र में आज सुबह पुलिस ने 5 टीमें बनाकर छापेमार कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने संदि्गध लोगों के आधार कार्ड व बायोमैट्रिक चैक करने के लिए स्थानीय प्रशासन की तरफ से तीन ऑपरेटर भी लिए हुए थे। इस बारे में जानकारी देते हुए कार्रवाई की अगुवाई कर रहे एसएचओ सत्यनारायण ने बताया कि आज सुबह अवैध रूप से भारत में रह रहे संदिगध लोगों की पहचान के लिए यह छापेमार कार्रवाई की गई है। कोई अपनी पहचान को छिपाकर रह रहा है, ऐसे व्यक्तियों की जांच की जा रही है। आज उन्होंने जांच के

दौरान 9 व्यक्तियों को पूछताछ के लिए बुलाया है। इन व्यक्तियों के आधार कार्ड अन्य राज्यों से ट्रांसफर हुए थे। तथा इनके मोबाईल पर ओटीपी प्राप्त नहीं हो रहे। ऐसे में इस संद्गिधता की जांच गहनता से की जाएगी जाएगी तथा जिनकी नागरिकता भारतीयता होना स्पष्ट नहीं हो पाया तो उन्हे कानून अनुसार वे जिस जिस देश के है, वहां भेज दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज की कार्रवाई सुबह शुरू हुई थी। कुछ लोग तो सुबह यहां से निकलकर काम पर निकल गए थे, उनकी बकाया जांच भी जल्द ही की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई के दौरान शरारती तत्वों के ऐसे स्थानों पर छिपे होने की आशंका होती है, परन्तु आज छापेमार कार्रवाई के दौरान किसी भी व्यक्ति ने जगह छोडकर भागने का प्रयास नहीं किया तथा शांतिपूर्ण तरीके से कार्रवाई की गई है।

एस एचओ सत्यनारायण ने आमजन से यह भी अपील की कि सुरक्षा से जुड़े किसी भी मामले को लेकर आमजन को सतर्क रहना चाहिए। किसी पर तथा संदिगध व्यक्ति की नागरिकता के संदेह होने पर पुलिस हैल्पलाईन को सूचना देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि विदेश से आकर कोई व्यक्ति अगर गलत तीरके से उनके क्षेत्र में रूका हुआ है तो इसकी सूचना देना नागरिक का दायित्व बनता है। वही इस बारे में प्रशासन की तरफ से आधार वैरीफाई करने के लिए नियुक्त रमन कौशिक ने बताया कि देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई की गई है। 40 संदिग्ध लोगों के आधार कार्ड की जांच की गई है, जिनमें से 9 लोगों के ओटीपी फोन में नहीं आए, इस बात की जांच को और गहनता से आगे किया जाएगा।

80 हजार के ठगी मामले दो आरोपी काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 20 मई। साइबर थाना की एक विशेष पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर स्पेस मनी लिंक भेज कर लुभाने ऑफर देकर करीब 80 हजार रुपए का चूना लगाने के मामले में दो साइबर अपराधियों को राजस्थान के जयपुर क्षेत्र से काबू किया है।

साइबर थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र ने बताया कि 26 नंबवर 2024 को खैरपुर निवासी रुपेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि बीते कुछ दिनों पहले उसके पास स्पेस मनी के नाम से एक अज्ञात लिंक आया जैसे ही उसने अज्ञात लिंक पर क्लिक किया तो उस पर कम समय में ज्यादा मुनाफा कमाने का लुभावना ऑफर आया हुआ था। उसने पैसे कमाने के लिए जैसे ही लिंक पर क्लिक किया तो उसमें मैंनडेटरी डिटेल्स को भरने के लिए कहा गया। लुभाने ऑफर के लालच में आकर संदिग्ध लिंक पर क्लिक कर अपनी बैंक संबंधी सभी प्रकार की डिटेल सांझा कर दी। जैसे ही बैंक डिटेल्स को सांझा किया उसके खाते से 80 रुपए कट गए। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर विभिन्न धाराओं के तहत साइबर थाना सिरसा में साइबर फ्रॉड का केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान साइबर थाना की एक विशेष पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए घटना में संलिप्त दो आरोपियों को राजस्थान के जयपुर क्षेत्र से काबू कर लिया है। आरोपियों की पहचान सुरेश बुंकर पुत्र सुरज बुंकर व विरेंद्र सिंह पुत्र मोहबत सिंह निवासी हरमेड़ा जयपुर राजस्थान के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर अदालत के आदेश पर सुरेश बुंकर को जेल भेजा गया जबकि आरोपी विरेंद्र सिंह पुत्र मोहबत सिंह निवासी हरमेड़ा जयपुर राजस्थान को एक दिन का पुलिस रिमांड हासिल कर आरोपी से गहनता से पूछताछ की गई। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ कर घटना में शामिल अन्य आरोपियों के बारे में पता लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है और जो भी व्यक्ति ठगी की इस घटना में संलिप्त पाया जाएगा उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवक 7 किलोग्राम चूरापोस्त सहित काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 20 मई। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस टीम ने गश्त के दौरान गांव रणजीतपुरा थेहड़ी क्षेत्र से एक युवक को 7 किलो 100 ग्राम चूरापोस्त सहित काबू किया है।

एंटी नारकोटिक्स सेल प्रभारी सब इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार ने बताया कि सेल सिरसा पुलिस की एक टीम गश्त के दौरान गांव रंजीतपुरा थेहड़ी से होते हुए गांव फकीरां वाली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस पार्टी जब गांव रणजीतपुरा थेहड़ी से थोड़ा आगे कच्चा रास्ता पर एक युवक अपने हाथ में प्लास्टिक का थैला लिए हुए खड़ा दिखाई दिया। उक्त युवक ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक वापस मुडकर खिसकने का प्रयास किया। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उक्त युवक को काबू कर राजपत्रित अधिकारी के मौजूदगी में तलाशी ली तो उसके कब्जा से 7 किलो 100 ग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ। आरोपी की पहचान राजेंद्र कुमार उर्फ राजू पुत्र ओमप्रकाश निवासी गांव रंजीतपुरा थेहड़ी जिला सिरसा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ रानियां थाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 20 मई। पंजुआना के समीप मंगलवार को एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार दोनों युवकों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

जानकारी अनुसार बाइक पर सवार होकर दो युवक पंजुआना के पास जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर सवार दोनों युवक सडक पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने दोनों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल सिरसा पहुंचाया। यहां कुछ देर बाद दोनों युवकों की मौत हो गई। मृतक युवकों की पहचान ओढां निवासी मंजिंद्र व सुखपाल के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस का कहना है कि मृतक के परिजनों का बयान दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

शहर से बाइक व स्कूटी चोरी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 20 मई। शहर में अलग-अलग स्थानों से चोर एक स्कूटी व बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में पहले मामले में राजेंद्र निवासी भारत नगर सिरसा ने बताया कि बीती 19 मई की दोपहर को वह मार्केट में सामान लेने के लिए गया था। दुकान के बाहर बाइक खड़ी कर वह दुकान में चला गया। कुछ देर बाद आया तो बाइक गायब मिली। दूसरे मामले में अग्रसेन कॉलोनी निवासी गिरीश नागपाल ने बताया कि बीती 18 मई उसके पिता प्रेम प्रकाश स्कूटी लेकर सुरखाब पैलेस में किसी कार्यक्रम में आए थे। पार्टी खत्म होने के बाद जब उसके पिता बाहर आए तो स्कूटी गायब मिली। उन्होंने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बंद पड़े मकान से नकदी व आभूषण उड़ाए

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 20 मई। शहर के चतरगढ़पट्टी क्षेत्र में एक बंद मकान में घुसकर चोर 20 हजार रुपए की नकदी सहित आभूषण व अन्य सामान चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में हरजंट सिंह ने बताया कि बीती 16 मई को वह परिवार सहित रिश्तेदारी में गया हुआ था। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने मकान में घुसकर कमरे का ताला तोडकर संदूक में रखी 20 हजार रुपए की नकदी, चांदी के बने आभूषण पाजेब, बिछिया, अंगूठी सहित कुछ अन्य सामान चोरी कर ले गए। बीती शाम को जब वे वापस लौटे तो घटना का पता चला। अंदर जाकर देखा तो कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। सामान संभाला तो उपरोक्त नकदी व आभूषण गायब थे। उन्होंने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल स्थगित, गेट मीटिंग कर जताया रोष

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 20 मई। ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन यूनियन के कर्मचारियों ने मंगलवार को गेट मीटिंग कर रोष का इजहार किया। मीटिंग की अध्यक्षता सिटी यूनिट प्रधान मीत चंद ने की जबकि मंच संचालन सब यूनिट प्रधान अजय पासी ने किया।

प्रधान मीत चंद ने कहा कि देश की केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, सरकारी कर्मचारी परिसंघों व राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर चार लेबर कोड्स रद्द करने, आठवें वेतन आयोग का गठन करने, राज्य का अलग वेतन आयोग बनाने, सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, पुरानी पेंशन बहाल करने, निजीकरण बंद करने, सांप्रदायिकता पर रोक लगाने तथा

बेरोजगारी व मंहगाई कम करने आदि मांगों को लेकर देश के मजदूर व कर्मचारियों ने 20 मई 2025 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया था परन्तु देश के मौजूदा हालात को देखते हुए केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, सरकारी कर्मचारी परिसंघों व राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ ने 20 मई को होने वाली राष्ट्रीय हड़ताल को स्थगित कर दिया है।

इसी कड़ी में मंगलवार को हरियाणा प्रदेश में अन्य कर्मचारी संगठनों के साथ सर्व कर्मचारी संघ ने गेट मीटिंग कर रोष का इजहार किया। मुख्य सलाहकार सुरजीत सिंह बेदी ने कहा कि गर्मी के मौसम में लोड अधिक होने के कारण आए दिन ट्रांसफार्मर जलने से लेकर अनेक दिक्कतें आ रही हैं, लेकिन सामान ले जाने के लिए गाडियां नहीं हैं, जिसके कारण कर्मचारियों को काफी समस्याओं से जूझना पड़ता है।

बेदी ने कहा कि सब स्टेशनों पर पीने के पानी के लिए वाटर कूलर की भी कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे गर्मी के मौसम में कर्मचारियों का बुरा हाल है। यही नहीं पावर हाउस में कुलिंग करने वाले ट्रांसफार्मर नहीं है, जिसके कारण ट्रांसफार्मर अधिक लोड के कारण आगजनी की घटनाएं हो रही हैं। बेदी ने कहा कि कार्यालयों में पुराना अलग-अलग टूटा-फुटा फर्नीचर पड़ा है। कर्मचारी 8 से 10 घंटे बैठकर काम करते हैं, ऐसे में उनके लिए बैठना भी आसान नहीं है। यही नहीं कर्मचारियों के पास जरूरी औजार तक नहीं है, जिसके चलते अपनी जान जोखिम में डालकर कर्मचारी काम कर रहे हैं। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि अगर समस्याओं पर जल्द संज्ञान नहीं लिया गया तो जल्द ही सर्कल स्तर पर आंदोलन शुरू किया जाएगा।

ग्रामीणों ने ट्रैक्टर लगाकर खुद ही कर दी जलघर के टैंक की सफाई

- ग्रामीणों ने विभाग के प्रति जताया रोष-बोले, पेयजल किल्लत में समय रहते देना चाहिए था ध्यान

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 20 मई। गांव जंडवाला जटान में ग्रामीणों ने एकजुटता दिखाते हुए जलघर के टैंक की सफाई कर दी। इस कार्य में 6 ट्रैक्टर व करीब 45 ग्रामीण लगे हुए थे। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से टैंक की सफाई न होने से उसका पानी दूषित हो रहा था। जिसके चलते उन्हें परेशानी आ रही थी। ऐसे में उन्होंने बिना पंचायत या विभाग के सहयोग के अपने स्तर पर ये कार्य किया। पूर्व सरपंच शिवराज सिंह, रुलदू सिंह, अर्जुन सिंह, साहिब सिंह, रणजीत सिंह, नाजर सिंह, बलकरण, सेवक सिंह, हरजिंद्र सिंह व मंदर सिंह आदि ने बताया कि उनके गांव के जलघर में 2 बड़े वाटर टैंक हैं। इनमें से एक वाटर टैंक लीकेज भी है जिसके चलते उसमें सप्ताह भर भी पानी नहीं

टिकता। ग्रामीणों ने बताया कि जलघर में एक टैंक तो काफी पुराना बना हुआ है जबकि दूसरे टैंक को बने हुए करीब 5 वर्ष ही हुए हैं। नया बना टैंक इतने समय में लीकेज भी हो गया। उक्त टैंक की साइड की दीवारों से सीमेंट उतर चुकी है। जिसके चलते उसमें पानी नहीं रुकता। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग को चाहिए था कि नहरों की बंदी के चलते दोनों टैंक तैयार करने चाहिए थे। लेकिन विभाग ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। जिसके चलते गांव में पानी की किल्लत उत्पन्न हुई। जिसके बाद ग्रामीणों ने अपने स्तर पर पहल करते हुए एक टैंक की सफाई का बीड़ा उठाया। सफाई कार्य के दौरान ग्रामीणों में संबंधित विभाग के प्रति काफी रोष देखने को मिला। उनका कहना था कि अधिकारियों की अनदेखी की वजह से ग्रामीण अशुद्ध जल पीने को विवश हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत भी अपने स्तर पर मनरेगा मजदूरों को लगाकर टैंक की सफाई करवा सकती थी, लेकिन पंचायत ने भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया।

ग्राम सरपंच मंजूबाला ने कहा कि हां, जलघर के टैंकों की सफाई हुए लंबा समय हो गया। मनरेगा से कार्य करवा तो लेते, लेकिन मजदूर काम नहीं करते। विभाग को चाहिए था कि पानी की किल्लत को देखते हुए दोनों टैंकों की मरम्मत एवं सफाई समय रहते करवाई जाती।

जन स्वास्थ्य विभाग के एसडीओ विशाल ज्याणी ने बताया कि ग्रामीणों ने ऐन मौके पर सफाई का निर्णय लेकर उचित नहीं किया। क्योंकि नहरों में पानी मात्र 2-3 दिन के लिए आया है। ऐसे में प्राथमिकता टैंक भरने की होनी चाहिए थी। जो लीकेज टैंक है उसको विभाग द्वारा ठीक करवा दिया जाएगा। तब तक दूसरे टैंक में पानी डलवाया जाएगा।

गांव खरक में पहुंचे पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई, ग्रामीणों ने किया स्वागत

क्षेत्र की सेवा के लिए हमेशा रहेंगे तत्पर : कुलदीप बिश्नोई

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक
भिवानी, 20 मई। जिला के गांव खरक स्थित लॉर्ड कृष्णा हाई स्कूल में मंगलवार को एक आत्मीय और भावुक क्षण देखने को मिला, जब पूर्व सांसद तथा पूर्व विधायक कुलदीप बिश्नोई ने अपने पुराने संघर्ष के साथियों से मुलाकात की और उनके हालचाल जाना। गांव में पहुंचने पर कुलदीप बिश्नोई का क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और ग्रामवासियों ने गर्मजोशी से स्वागत

किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मा. रामफल सिंह एवं विरेंद्र सिंह ने की, जिन्होंने बिश्नोई जी को चादर भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच दलेल सिंह खरक खुर्द, सरपंच उषा खरक राजायण, सरपंच सोनू शर्मा कलिंगा, मा. प्रवीण कुमार, प्रदीप नंदा, दिनेश शर्मा, कोच विनोद पहलवान सहित अनेकों सम्मानित ग्रामीण व सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कुलदीप बिश्नोई ने अपने पुराने संघर्षों को याद करते हुए कहा कि यही धरती और यही लोग मेरी ताकत हैं, जिन्होंने हर परिस्थिति में उनका साथ दिया, तथा आज उनसे मिलकर आत्मा तृप्त हो गई।

मुख्य बाजार में रोजाना लगने वाले जाम से लोग परेशान, कुंभकर्णी नींद सोया प्रशासन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
बहल, 20 मई। कस्बे के मुख्य बाजार व सड़क मार्ग पर जाम की स्थिति आम लोगों की समस्या है और इसके समाधान और निजात दिलाने की विभाग की कोई दिलचस्पी नहीं है। सुबह से शाम तक यातायात के जाम विभाग की अनदेखी का खामियाजा लोगों की दिनचर्या पर इस कदर भारी है कि इधर से उधर आवाजाही बड़ी मुश्किल से हो पाता है। यह स्थिति लोक निर्माण विभाग की आंख मिचौली के कारण है वरना 82.6 फीट चोड़े मार्ग पर छह मार्गिय सड़क संभव हो सकती है। किंतु सड़क के दोनों किनारे 40 से 50 फीट तक के अनाधिकृत अतिक्रमण कितने जायज यक्ष प्रश्न बना हैं। विपरित

इसके लोक निर्माण विभाग की अजीबोगरीब स्थिति है कि यह विभाग सड़क किनारे लगी चलती फिरती 4 फीट की रेहड़ी को अतिक्रमण मानता है और 30 फीट के टीनशैड को व अनाधिकृत रूप से ठेंगा दिखाकर फुटपाथ को अवरोधित करने को अतिक्रमण नहीं माना रहा है। अदद एक शिकायतकर्ता की शिकायत पर रेहड़ी वाले को हटाने की कार्रवाई को पहुंच जा रहे हैं। इस सवाल उठाए जा रहे हैं । आखिर शिकायत कर्ता कहा जायज विभाग उसके खिलाफ कार्रवाई की हिमाकत क्यों नहीं करता। इस संबंध में विभाग के कनिष्ठ अभियंता वतन सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उनको शिकायत मिली थी कि दुकानदार की दुकान के आगे रेहडी खड़ी कर अवरोध लगाया गया है। जब उनसे पूछा गया की 30 फीट टीनशैड फुटपाथ पर टेबल लगाकर अतिक्रमण किया गया है और आवाजाही नहीं हो पा रही, जेई ने कहा की कार्रवाई करेंगे। उल्लेखनीय इस बात का है कि विभाग रेहडी फड़ी वालों को अतिक्रमण मानता है और हटाने को उतारू है। जो केवल 4 फीट की जगह सड़क किनारे खड़ी होकर अपने परिवार के दो वक्त का निवाला कमाते हैं और विडंबना ही कहा सकते हैं कि 30 फीट तक टीनशैड़, टेबल, कांउटर लगाकर फुटपाथ को कब्जा रखा है को अतिक्रमण नहीं माना जाता है। तीन माह पूर्व विभाग ने बिना किसी नोटिस के दुकानदारों की बजाय रेहडी वालों को रेडी हटाने की अभियान चलाया था लेकिन बाद इसके ना तो अतिक्रमण हटाए गए और ना ही फुटपाथ को अवरोधों से मुक्त कराया गया।

नगर पार्षद पर हमला, आईसीयू में दाखिल

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 20 मई। शहर के वार्ड नंबर 12 से पार्षद दीपक बंसल पर बीती रात कुछ लोगों ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्हें गंभीरावस्था में शहर के एक निजी अस्पताल में आईसीयू में दाखिल किया गया है जहां उनका उपचारी जारी है। इस घटना के दौरान उनके पिता भी साथ थे, जो किसी प्रकार बच गए। मामले की सूचना पुलिस को भी दे दी गई है। अभी घायल के बयान दर्ज नहीं हो पाए हैं। इस

घटना के बाद से पार्षद दीपक बंसल के परिवार में भी डर का माहौल बना हुआ है।

पार्षद के परिजनों के अनुसार बीते सोमवार रात करीब 12 बजे वार्ड-12 में लाइट की काफी दिक्कत थी। वार्डवासी परेशान थे और सभी के बार-बार पार्षद के पास फोन आ रहे थे कि काफी देर से लाइट नहीं आ रही। इसका पता लगाने के लिए पार्षद दीपक बंसल काठमंडी स्थित बिजली घर में गए थे। उस समय उनके साथ उनके पिता भी थे। जैसे ही वे बिजली घर से बाहर निकले तो कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

सभी पैक्स होगी कंप्यूटरीकृत, माधोसिंघाना पैक्स को मिला ई-पैक्स का दर्जा

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 20 मई। सिरसा जिला में किसानों को खाद, बीज, दवा और फसली ऋण उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाली पैक्स का डाटा नेशनल कोऑपरेटिव डेटाबेस पर अपलोड कर दिया गया है और अब जिले की सभी पैक्स को ऑनलाइन जोड? के लिए कार्य किया जा रहा है।

जिला की माधोसिंघाना पैक्स ई-पैक्स हो गई है, जो सीधे ऑनलाइन केंद्रीय सहकारी बैंक व सहकारिता से जुड़े अन्य संस्थानों से जोड़ी गई है। जिले में कुल 38 पैक्स हैं और अन्य पैक्स को भी जल्द ही ई-पैक्स बनाए जाने के लिए काम किया जा रहा है। जिले में 37 मल्टीपल पैक्स और छह सहकारी विपणन समितियां पीएम किसान सेवा केंद्र के रुप में काम कर रही है।

चार पैक्स में बनाए जा सकते हैं गोदामः
सहकारी समितियों के सहायक रजिस्ट्रार संजीव ने बताया कि जिले की चार पैक्स में अनाज स्टोर करने के लिए गोदाम बनाए जा सकते हैं। इनमें से धर्मपुरा, कुरंगावाली, पंजुआना, ऐलनाबाद को चिन्हित किया गया है। जहां ग्रेन स्टोरेज प्लान के तहत गोदाम बनाए जा सकते हैं, ये पैक्स सभी शर्तों को पूरा करती है, लेकिन यहां गोदाम तभी बन पाएंगे जब किसी खरीद एजेंसी से एग्रीमेंट होगा। सहायक रजिस्ट्रार ने बताया कि कृषि व गैर कृषि, दो श्रेणियों में पैक्स के सदस्य बन सकते हैं। पैक्स का कार्य फसली ऋण, किसानों को दवाई, बीज और खाद उपलब्ध करवाने का होता है। यह संस्था किसानों को मदद उपलब्ध करवाती है। उन्होंने बताया कि पूरे जिले में एक लाख 28 हजार 57 पैक्स के सदस्य है, जो 38 पैक्स के माध्यम से जुड़े हुए हैं।

आशा वर्कर्स व मिड डे मिल वर्कर्स ने किया प्रदर्शन

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 20 मई। आशा वर्कर्स यूनियन व मिड डे मिल की प्रधान दर्शना ने कहा कि हरियाणा सरकार कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग में काम करने वाली आशा वर्कर्स को धमकी भरे पत्र भेज रही है जो निंदनीय है।

वे मंगलवार को आशा वर्कर्स के प्रदर्शन में बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों में धमकी भरे बयान देकर सरकार अपनी नाकामी को छुपाना चाहती है। सरकार ऐसे बयान देकर और विभाग में काम करने वालों को धमका कर प्राइवेट अल्ट्रासाउंड केंद्रों को खुली छूट दे रही है और सरकारी स्वास्थ्य के ढांचे को बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार कन्या भ्रूण हत्या को रोकना चाहती है तो हरियाणा प्रदेश के अंदर तमाम अल्ट्रासाउंड केंद्रों को सरकारी स्वास्थ्य के ढांचे में शामिल करते हुए गर्भवती महिलाओं के जरूरत पड? पर फ्री अल्ट्रासाउंड करवाने की जिम्मेदारी उठाए। उन्होंने कहा कि आज तक सरकार ने गर्भवती महिलाओं के लिए जितनी योजनाओं की घोषणा की है वह केवल घोषणा है और कागजों तक ही सीमित है। पूरे प्रदेश में किसी पीएचसी पर महिला रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ और पीएचसी पर डिलीवरी होने के समय अगर कोई इमरजेंसी होती है तो उसे इमरजेंसी को संभालने के लिए महिला डॉक्टर तक उपलब्ध नहीं है। प्रदर्शन में शिमला, मीनाक्षी, ऊषा रानी, रीना सिरसा, पायल सिरसा व कविता सिरसा सहित सैकड़ों की संख्या में आशा वर्कर्स मौजूद थी।

लघुकविता सम्मेलन में साहित्यकारों का हुआ सम्मान

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार
सिरसा, 20 मई। हरियाणा प्रादेशिक हिंदी साहित्य सम्मेलन, सिरसा द्वारा संचालित हरियाणा प्रादेशिक लघुकविता मंच के तत्वावधान व डॉ. सुरेंद्र वर्मा की स्मृति में स्थानीय श्री युवक साहित्य सदन में अखिल भारतीय लघुकविता सम्मेलन-2025 का आयोजन हुआ जिसमें कुरुक्षेत्र से डॉ. जयभगवान मुख्यातिथि थे जबकि अध्यक्षता जयपुर से आई चांद वर्मा ने की। अति विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रेम कंबोज, सिरसा व विशिष्ट अतिथि के रूप में रोहतक से डॉ. मधुकांत तथा भिवानी से आनंदप्रकाश आर्टिस्ट ने शिरकत की।

प्रो. रूप देवगुण ने आए हुए अतिथियों तथा श्रोताओं का स्वागत किया तथा मंच संचालन संयुक्त रूप से क्रमशः हरीश सेठी झिलमिल, डॉ. शील कौशिक तथा डॉ. आरती बंसल ने किया। कार्यक्रम में डॉ. सुरेंद्र वर्मा के सुपुत्रों विक्रमसिंह व गजेंद्र वर्मा ने डॉ. सुरेन्द्र वर्मा की हिंदी व पंजाबी रचनाओं को सस्वर प्रस्तुत किया। ऐलनाबाद से आए प्रवीण पारीक अंशु ने भी डॉ. सुरेंद्र वर्मा की गजल प्रस्तुत की। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र वर्मा फाउंडेशन, जयपुर तथा वर्चुअल प्लेनेट प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई की तरफ से डॉ. ज्ञानप्रकाश पीयूष को डॉ. सुरेन्द्र वर्मा कला एवं साहित्य स्मृति सम्मान-2025 प्रदान किया गया। प्रज्ञा साहित्यिक मंच, रोहतक द्वारा चांद वर्मा व उनके सुपुत्रों गजेंद्र वर्मा व विक्रमसिंह को सम्मानित किया गया।

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने दिया धरना, सौंपा ज्ञापन

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 20 मई। चार लेबर कोड के विरोध व अपनी मांगों को लेकर जिलाभर के ग्रामीण सफाई कर्मचारी मंगलवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल हुए। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने सुबह लघु सचिवालय में धरना देकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद कर्मचारियों उपायुक्त को मुख्यमंत्री हरियाणा के नाम ज्ञापन सौपा।

ग्रामीण सफाई कर्मचारी सुनियन प्रधान सोनू कुमार ने धरने पर बैठे कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण सफाई कर्मियों का वेतन हर महीने देरी से मिलने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति काफी बिगड़ चुकी है। सरकार पूरा साल एक-एक माहीने का बजट देकर देरी से वेतन देकर सफाई कर्मियों का शोषण कर रही है। सफाई कर्मी अनाज खरीद, बच्चों के एडमिशन, घर खर्च आदि जैसे हालातों में घिर चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार सिर्फ पूंजीपतियों के हित में कानून बनाती है। मजदूरों के हित के 44 श्रम कानून को मजदूर विरोधी 4 कोड में बदलकर सरकार मजदूरों से पके रोजगार, समान वेतन, यूनियन बनाने तथा शोषण के विरुद्ध आंदोलन करने के अधिकार छीनने का प्रयास कर रही है। सफाई कर्मचारी नेताओं ने कहा कि अगर सरकार ने स्वीकार की मांगों को लागू नहीं किया और 4 लेबर कोड्स को रद्द नहीं किया तो सफाई कर्मचारी आआंदोलन की और तेज करने पर मजबूर होंगे। प्रधान सोनू कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री हरियाणा ने 24 नवंबर 2024 को ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को 26 हनत केतन देने की घोषणा की थी, लेकिन इसे अब तक लागू नहीं किया।

शरारती तत्वों ने दुकान में लगाई आग

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 20 मई। जिला के गांव भीमा में बीती देर रात को शरारती तत्वों ने मोबाइल शॉप का ताला तोडकर पेट्रोल डाल कर आग लगा दी। घटना को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गए।

जानकारी अनुसार गांव भीमा में जगतार सिंह मोबाइल शॉप चलाता है। रात को अज्ञात लोग ताला तोडकर दुकान के बाहर व अंदर पेट्रोल छिडक कर आग लगा गए। पास ही घर के लोगों को जब आग की लपटे दिखाई दी तो उन्होंने शोर मचाया, जिसके बाद आरोपी वहां से भाग गए। भागते समय उनकी चप्पलें और मोबाइल फोन वही रह गया। इस दौरान उन्होंने चोरी करने की बजाय दुकान पर आग लगाकर नुकसान पहुंचाया। गनीमत रही कि समय रहते पता चल गया जिससे बचाव हो गया। दुकान में मोबाइल फोन अन्य सामान सहित पेट्रोल की केन भी पड़ी थी। घटना का पता चलने पर दुकानदार जगतार सिंह मौके पर पहुंचा और 112 नंबर पर सूचना दी। सुबह जगतार सिंह द्वारा अज्ञात लोगों के खिलाफ इसकी शिकायत रोड़ी थाना में दी गई। मौके पर मिले मोबाइल फोन की जांच के बाद पता चलेगा कि किसने किस मकसद से इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस जांच में जुटी हुई है। पुलिस टीम आसपास गांव में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है ताकि आरोपियों को गिरफ्तार किया जा सके।

भूतपूर्व सैनिक कष्ट निवारण समिति परिषद की बैठक आयोजित

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 20 मई। मंगलवार को भूतपूर्व सैनिक कष्ट निवारण समिति परिषद ट्रस्ट, बहल की बैठक हुई तथा कस्बे में बनाए जाने वाले शहीद स्मारक के निर्माण पर चर्चा कर स्मारक बनाने पर विधिवत मुहर लगा दी गई। सैनिकों की हुई बैठक में जहां स्मारक के प्रारूप पर मुहर लगी वहीं स्मारक के निर्माण और समयावधि को लेकर जरूरी चर्चा हुई। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि शहीद स्मारक भव्य स्मारक बन सके इसका विशेष ख्याल रखा जाएगा। जिसमें क्षेत्र के सभी सैनिकों का योगदान रहेगा। मंगलवार को सेठ पूर्णमल लालावासिया मार्केट में स्थित समिति कार्यालय में आयोजित समिति की बैठक में क्षेत्र के पूर्व सैनिकों ने भाग लिया और शहीद स्मारक के निर्माण को लेकर अपनी राय रखी। बैठक में शहीद स्मारक में शहीद स्तंभ के लिए बनाए गए प्रारूपों को रखा गया जिसमें से एक प्रारूप को सर्वसम्मति से पास किया गया। समिति सदस्यों ने कहा कि बहल में बनने वाला शहीदी स्मारक ऐसा होना चाहिए जो अपने आप में विशेष हो। शहीद स्मारक जहां देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीदों की याद दिलाएगा। इससे शहीद परिवार गौरवान्वित होंगे वहीं युवा पीढियों में देश सेवा की भावना प्रबल होगी और वे देश सेवा के लिए प्रेरित होंगे। बैठक में उपस्थित सदस्यों को जानकारी देते हुए समिति सदस्य सज्जन फौजी बिधनोई ने बताया कि स्मारक के लिए बहल क्षेत्र के गांवों से पूर्व सैनिकों द्वारा दी गई सहयोग राशि की जानकारी दी और कहा कि स्मारक के लिए बहल क्षेत्र के बहुत से लोग आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बहल क्षेत्र के पूर्व सैनिकों के अलावा आमजन में शहीद स्मारक के लिए उत्साह बना हुआ है। इस अवसर पर मेवासिंह, सतबीर सिंह, दयानंद, ईश्वर सिंह, रामकरण, रामकिशन, मंदरूप, सूबेसिंह, रोहताश फौजी, महेन्द्र सोनी, जयवीर सिंह, मानसिंह सहित अनेक पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

णमोकार महामंत्र एवं भक्तांबर जी की दीप अर्चना का कार्यक्रम आयोजित

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार

चण्डीगढ़, 20 मई। अहिंसा चैरिटेबल सेवा समिति, चण्डीगढ़ द्वारा सीबीएसई की कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 23 मेधावी छात्र-छात्राओं को अहिंसा शिक्षा रत्न स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ समाजसेवी एवं संस्था के चेयरमैन राजेंद्र प्रसाद जैन ने बताया कि श्री दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर 27, चंडीगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में श्रीमती सरोज जैन के परिवार की ओर से णमोकार महामंत्र एवं भक्तांबर जी की दीप अर्चना का आयोजन भी किया गया, जिसमें दिगंबर जैन समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

रिसोर्स पर्सन को दिया धूम्रपान और ड्रग्स आदि नशे से दूर रहने का प्रशिक्षण

रिसोर्स पर्सन स्कूल, पॉलिटेक्निक और कॉलेज में विद्यार्थियों को धूम्रपान और ड्रग्स आदि नशे से दूर रहने के प्रति करेंगे जागरूक

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 20 मई। डीसी महावीर कौशिक के मार्गदर्शन में मंगलवार को स्थानीय पंचायत भवन में एक कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें रिसोर्स पर्सन को धूम्रपान और ड्रग्स आदि नशे से दूर रहने का प्रशिक्षण दिया गया। रिसोर्स पर्सन को स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग और डीएडिक्शन केंद्र आदि से विशेषज्ञों द्वारा विशेष जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के बाद ये रिसोर्स पर्सन जिला के सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पॉलिटेक्निक और कॉलेज में विद्यार्थियों को धूम्रपान और ड्रग्स आदि नशे से दूर रहने के प्रति जागरूक करेंगे।

कार्यशाला में उप जिला शिक्षा अधिकारी शिव कुमार तंवर, मुख्य मास्टर ट्रेनर राकेश रोहिल्ला, डीआईपीआरओ सुरेंद्र सिंगल, पुलिस विभाग से उप निरीक्षक माखन सिंह व उप निरीक्षक अनिल कुमार के अलावा कमल शर्मा तथा

मनु कादयान ने नशे के प्रकार तथा नशे से होने वाली समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नशा मुक्ति अभियान में विद्यालयों की भूमिका पर विस्तार से बताया तथा विद्यार्थियों को नशे के दलदल से बाहर निकलने के लिए जागरूकता लाने का आह्वान किया।

- विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण शिविर में बताएं नशा छोड़ने के लिए अपनाए जाने वाले कुछ प्रभावी तरीके

- नशे की लत के कारणों को समझें: नशे की लत के कारणों को समझना इसके इलाज के लिए महत्वपूर्ण है। तनाव, जेनेटिक्स, पर्यावरणीय कारण, मनोवैज्ञानिक कारण और मानसिक विकार जैसे अवसाद नशे की लत के कुछ सामान्य कारण हैं।

- नशे की लत के लक्षणों को पहचानें: नशे की लत के लक्षणों में दवाओं का बार-बार उपयोग करने की तीव्र इच्छा, स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद पदार्थों का अनवरत उपयोग और जुनून शामिल हैं।

- उपचार के विकल्प: नशे की लत से निजात पाने के लिए काउंसलिंग, चिकित्सा और समर्थन समूह जैसे कई उपचार विकल्प उपलब्ध हैं। मनोरोग विशेषज्ञ या एडिक्शन स्पेशलिस्ट से परामर्श लेना भी मददगार हो सकता है।

- जीवनशैली में बदलाव: नशे की लत से निजात पाने के लिए जीवनशैली में बदलाव करना भी महत्वपूर्ण है। इसमें स्वस्थ तनाव प्रबंधन तकनीकें सीखना, परिवार और दोस्तों के साथ घनिष्ठ संबंध विकसित करना और स्वस्थ जीवन शैली अपनाना शामिल है।

- सहायता प्रणाली: नशे की लत से निजात पाने के लिए सहायता प्रणाली का होना भी महत्वपूर्ण है। इसमें परिवार, दोस्त शामिल हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का एक विजन है कि प्रदेश को ड्रग्स फ्री और युवाओं को नशे से दूर रखा जा सके। युवा पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है।

युवा पीढ़ी को धूम्रपान या ड्रग आदि किसी भी प्रकार के नशे से बचाना बहुत जरूरी है। विद्यार्थियों में जागरूकता के लिए रिसोर्स पर्सन को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो स्कूल, कॉलेजों में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के बारे में जागरूक करेंगे।

गर्मी के मौसम में गाड़ी की रफ्तार संतुलन में रखेंगर्मी के मौसम में सड़क सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन की अपील : डीसी

गाड़ी में क्षमता से थोड़ा कम रखें डीजल और पेट्रोल : डीसी

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 20 मई। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति द्वारा चलाए जा रहे हिट एंड रन सड़क सुरक्षा अभियान के तहत जिला उपायुक्त महावीर कौशिक ने गर्मी के मौसम और हीट वेव अलर्ट को देखते हुए वाहन चालकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

उपायुक्त श्री कौशिक ने कहा कि गाड़ियों में डीजल या पेट्रोल डलवाते समय टंकी की क्षमता से चार-पांच लीटर कम ही भरवाएं ताकि अत्यधिक गर्मी में विस्फोटक स्थिति न बने। साथ ही, वाहन के टायरों में भी क्षमता से कम हवा भरवाना चाहिए जिससे टायर फटने की संभावना कम हो सके। गर्मी के मौसम में गाड़ियों की तेज

रफ्तार और अधिक हवा से भरे टायर जानलेवा साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अधिक गर्मी के कारण शरीर से पसीना ज्यादा निकलता है और थकावट महसूस होती है। ऐसे में वाहन चालकों को अपने साथ शीतल पेयजल और हल्के खाद्य पदार्थ अवश्य रखने चाहिए। सूती कपड़े पहनें और आवश्यकता पड़ने पर ही वाहन चलाएं। यदि चक्कर आएं या जी मितलाए तो तुरंत वाहन रोक दें, पानी पिएं और चिकित्सक की सलाह लें।

हिट एंड रन कानून को लेकर उपायुक्त ने बताया कि यह कानून जनहित में है और इसके बारे में जानकारी के लिए नागरिक एसडीएम या डीसी कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अब तक हिट एंड रन के लगभग 50 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से 17 केस पोर्टल पर अपलोड किए जा चुके हैं और शेष 33 मामलों में कमी दूर कर कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है और प्रशासन, सामाजिक संगठन मिलकर आम जनता को जागरूक करने में लगे हुए हैं। गर्मी के मौसम में सतर्क रहकर हम हादसों से बच सकते हैं और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित कर सकते हैं। भारत सरकार एवं परिवहन मंत्रालय द्वारा गठित हिट एंड रन समिति के सदस्य एवं राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि जैसे कोहरे में सड़क नियमों का पालन अनिवार्य होता है, वैसे ही गर्मी के मौसम में भी सतर्कता और नियमों का पालन अत्यंत जरूरी है। गर्मी में लापरवाही सड़क हादसों को जन्म दे सकती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाएं और हीट वेव जैसे हालात में सतर्क रहें, ताकि खुद और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। जागरूकता से ही दुर्घटनाएं रोकी जा सकती हैं। नशे में गाड़ी न चलाएं। नशे में वाहन चलेगा तो चालक अपनी जान जोखिम के साथ गाड़ी में सवार अन्य लोगों के खतरा बन सकता है। भारद्वाज ने कहा कि जिला उपायुक्त की संदेश युक्त ऑडियो वीडियो उनकी संस्था जन जन तक अपने कार्यक्रमों के तहत पहुंचाने का काम करेगी।

खारे पानी पर आधारित सेंटर बनने से मत्स्य पालन को मिलेगा बढ़ावा

डीसी ने इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क सेंटर ऑफ एक्सीलेंस परियोजना को लेकर दिए जरूरी निर्देश

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 20 मई। उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत जिला के गांव गरवा में इंटीग्रेटिड एक्वा पार्क सेंटर ऑफ एक्सीलेंस यानि खारे पानी पर आधारित मछली पालना का एक सेंटर बनाया जा रहा है। यह लगभग 25 एकड़ जमीन में बन कर तैयार होगा। इस योजना का उद्देश्य मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देना और किसानों व मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि करना है। इसमें सभी आधुनिक सुविधाएं मुहैया करवाई जाएगी। खारे पानी पर आधारित इस सेंटर के बनने से मत्स्य पालन को बढ़ावा मिलेगा।

डीसी श्री कौशिक स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को लेकर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे रहे थे। बैठक में मत्स्य विभाग, पब्लिक हेल्थ विभाग, बीएंडआर, ऊर्जा विभाग, सिंचाई विभाग आदि विभागों के अधिकारियों को परियोजना बारे अपने-अपने विभागों से संबंधित जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्य तय समय में पूरा किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में उच्च क्वालिटी की गुणवत्ता होनी चाहिए। परियोजना के कार्य निर्माण में किसी भी प्रकार की कोताही सहन नहीं की जाएगी।

जिला मत्स्य अधिकारी सिकंदर सांगवान ने डीसी को खारे पानी की परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क की स्थापना के लिए केंद्र सरकार ने 99 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इस एक्वा पार्क में विभिन्न सुविधाएं होंगी जैसे कि मछली बाजार, कोल्ड स्टोरेज सुविधा, एकीकृत अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला, मछली प्रसंस्करण संयंत्र,मूल्य वर्धित खाद्य उत्पादों जैसे मछली सूप, मछली मोमोज, मछली कटलेट और डंपलिंग के निर्माण के लिए ई-मार्केटिंग सेल और आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र बनाया जाएगा। आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र बनने से जिला के मत्स्य पालकों को फायदा होगा। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहें।

मारुति सुजुकी ने अपने खरखौदा प्लांट के आसपास सामुदायिक विकास के कार्यों की शुरूआत की

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

खरखौदा, 20 मई। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपने खरखौदा प्लांट के पास के आठ गांवों में अपने सीएसआर से जुड़े कार्यों में बढ़ोत्तरी की है। अपनी सीएसआर प्रतिबद्धता के अंतर्गत, कंपनी स्थानीय समुदाय के प्रमुख लोगों के साथ परामर्श कर के शिक्षा, सामुदायिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सामुदायिक विकास के परियोजनाओं को लागू कर रही है। शिक्षा से जुड़ी अपनी पहलों के अंतर्गत, मारुति सुजुकी ने सोनीपत के शिक्षा विभाग के साथ मिलकर रोहना

और थाना कलां गांवों में सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में दो पुस्तकालय स्थापित किए हैं। ये पुस्तकालय कंप्यूटरों, 2100 से अधिक पाठ्य पुस्तकों और पठन सामग्रियों से सुसज्जित हैं। पुस्तकालय सुविधाओं से क्षेत्र के 600 छात्रों को लाभ मिलेगा, और डिजिटल साक्षरता एवं पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। आज आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में डॉ. मनोज कुमार (आईएएस), सोनीपत के उपायुक्त और श्री राहुल भारती, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ने रोहना गांव में सरकारी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पुस्तकालय का उद्घाटन किया। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, कॉर्पोरेट अफेयर्स, श्री राहुल भारती ने कहा, एक इंडस्ट्री लीडर के रूप में, मारुति सुजुकी ने गुड़गांव, मानेसर, रोहतक और मेहसाणा में अपने संयंत्रों के आसपास के क्षेत्रों में सामुदायिक विकास को लगातार प्राथमिकता दी है। खरखौदा हमारा नया ग्रीनफील्ड संयंत्र है। शिक्षा, सामुदायिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता में हमारी केंद्रित सीएसआर पहलों के माध्यम से, हमारा लक्ष्य स्थानीय समुदायों और वेंडर कर्मचारियों को सशक्त बनाना और क्षेत्र में जीवन स्तर में समग्र सुधार करना है।

कुलदीप बिश्नोई 22 को भिवानी में : मुकेश खटीक

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 20 मई। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता भिवानी व हिसार से पूर्व में सांसद रहे कुलदीप बिश्नोई 22 मई को भिवानी में अपने पुराने कार्यकताओं की बैठक लेकर उनका हालचाल जानेंगे। यह जानकारी देते हुए कुलदीप बिश्नोई

के निजी मीडिया प्रभारी मुकेश खटीक ने बताया कि कुलदीप बिश्नोई के भिवानी आगमन से उनके कार्यकताओं में भारी उत्साह है। उन्होंने बताया कि इस दौरे के दौरान कुलदीप बिश्नोई अपने कार्यकताओं में नया जोश भरने का कार्य करेंगे।

हिसार : भाटला पशु चिकित्सालय में सीएम फ्लाइंग ने मारा छापा

हिसार। हांसी बरवाला रोड स्थित गांव भाटला में सीएम फ्लाइंग स्क्वॉड की टीम ने पशु चिकित्सालय पर छापा मारा। छापे के लिए नायब तहसीलदार दयाचंद को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था। छापेमारी के दौरान पशु चिकित्सालय में तैनात पशु चिकित्सक सहित अन्य भी गैर हाजिर पाए गए।

कन्या भ्रूण हत्या को रोकना और बालिकाओं की शिक्षा एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देना हम सबकी साझी जिम्मेदारी : एडीसी दीपक बाबूलाल करवा

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 20 मई। सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं के तहत जिले के निम्न लिंगानुपात वाले गाँवों के लिए जाट कॉलेज के सभागार में जागरूकता एवं चेतना शिविरों का आयोजन किया गया। इन गाँव की करीब 150 एएनएम, आशा वर्कर, आंगनवाड़ी वर्कर ने इसमें भाग लिया। शिविर के दौरान लिंगानुपात सुधारने के लिए सामुदायिक स्तर पर जागरुकता फैलाने, दहेज प्रथा जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाने, और बेटियों को शिक्षा के समान अवसर प्रदान करने पर जोर दिया गया। यह शिविर वीरवार एवं शुक्रवार को भी चलेगा। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने दो दिनों में लगाए गए शिविरों की समीक्षा की और लिंगानुपात सुधारने बारे उचित निर्देश दिए और सभी प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि समाज में लिंग भेदभाव को समाप्त करना, कन्या भ्रूण हत्या को रोकना और बालिकाओं की शिक्षा व सशक्तिकरण को बढ़ावा देना हम सब की साझी जिम्मेदारी है।

शिविरों में डॉ. बलविंदर गर्ग, डॉ. गौरव पूनिया और जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी चेतन वर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने लिंगानुपात में सुधार की आवश्यकता, बेटियों के शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व, तथा सामाजिक जागरूकता के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. गर्ग ने कहा कि बेटियाँ समाज की नींव हैं, और उनका सशक्तिकरण ही देश के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है। डॉ. पूनिया ने कन्या भ्रूण हत्या के दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों पर प्रकाश डाला। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न रेड बारे बताया गया कि ये क्यों जरूरत है। इसी प्रकार अंजू ने बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारी योजनाओं की जानकारी साझा की।

किठाना, रोहेड़ा व जाखौली के सरकारी स्कूलों में चलाया गया सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 20 मई। जिला परिषद कैथल के प्रधान कर्मबीर कौल, उप-प्रधान सोनिया व वार्ड नंबर दो के पार्षद दीप मलिक द्वारा ग्राम पंचायत किठाना, रोहेड़ा व जाखौली में सरकारी स्कूलों में सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण स्कीम ईंचार्ज प्रदीप कुमार ने खुले में शौच मुक्त, घर-घर से कचरा एकत्रित करने, प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। इसी प्रकार खंड शिक्षा अधिकारी राजौंद द्वारा स्कूलों में बच्चों को सफाई के बारे में बताया गया। पुलिस द्वारा नशा मुक्ति के बारे में व स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों में होने वाली बीमारियों जैसे हैजा, चेचक, डेंगू व लू के बचाव के बारे में जागरूक किया। वहीं जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा पानी की गुणवत्ता की जांच की गई व पानी के उपयोग के बारे में बताया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी के राशन की गुणवत्ता को जांचा गया। इसके साथ-साथ स्कूलों में डस्टबिन, सेनेटरी पैड, कैलेंडर व स्वच्छता पुस्तिका वितरित की गई।

फूड सेफ्टी एंड एडल्ट्रेशन जागरूकता सेमिनार का आयोजन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

बहल, 20 मई। बहल के राजकीय राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में फूड सेफ्टी एंड एडल्ट्रेशन जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमीनार में विशेषज्ञ के रूप में भिवानी से आए खाद्य सुरक्षा आफिसर डा.पुनीत शर्मा ने छात्रों व आईटीआई स्टाफ को संतुलित आहार के महत्त्व और मिलावटी खाद्य पदार्थों के नुकसान के बारे में जानकारी दी।

डा.पुनीत शर्मा ने बताया कि मिलावट खोरी से कैसे स्वास्थ्य पर बुरा असर करता है और रोजमर्रा की जिंदगी में किन खाद्य वस्तुओं में मिलावट पाई जाती है । उन्होंने छात्रों को यह भी बताया कि कैसे घर पर ही कुछ आसान तरीको से मिलावटी चीजों की पहचान की जा सकती है। इस मौके पर संस्थान के विभिन्न विभागों के इस अवसर पर अनुदेशक व सहायक अनुदेशक सहित समस्त स्टाफ के सदस्य मौजूद रहे।

महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 20 मई। गांव भड़ोल्यांवाली से एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।

पुलिस को दी शिकायत में महिला के पति ने बताया कि बीती 18 मई की दोपहर को उसकी पत्नी किसी काम से पड़ोस में गई थी, लेकिन उसके बाद से घर वापस नहीं लौटी। उसने अपने स्तर पर आसपास के लोगों व रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

नाबालिग लड़की को अभद्र इशारे करने के मामले में आरोपी को माननीय न्यायालय के द्वारा 03 साल कैद की सजा व 10,000/- रुपए का जुमार्ना लगाया

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 20 मई। नाबालिग लड़की को अभद्र इशारे करने के मामले में आरोपी को माननीय अजय पराशर अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट पोस्को की कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 03 साल कैद की सजा व ?10,000/- का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना राशि नहीं भरने पर आरोपी को अतिरिक्त कारावास की सजा काटनी पड़ेगी।

इस मामले में थाना सदर पुलिस ने वर्ष 2024 में अभियोग पंजीबद्ध किया था। मामले की सुनवाई माननीय न्यायालय में हुई सुनवाई के दौरान माननीय न्यायालय ने मामले को बहुत ही संगीन माना और दोषी की सजा में कोई नरमी नहीं बरती। मामले के अनुसार वर्ष 2024 में थाना सदर पुलिस को एक शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसमें नाबालिक लड़की के पिता ने आरोपी के द्वारा नाबालिग लड़की को रास्ते में अभद्र इशारे करने के मामले में अभियोग दर्ज करवाया था। थाना सदर पुलिस के द्वारा बिना किसी विलंब के अभियोग अंकित किया गया। इसके बाद नाबालिग के माननीय मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान करवाए गए तथा जांच इकाई के द्वारा महत्वपूर्ण साक्ष्यों का आकलन कर अभियोग में प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के सम्मुख पेश किया गया था। जो माननीय न्यायालय ने अभियोग में सुनवाई करते हुए आरोपी जयपाल पुत्र मलखान निवासी खरक खुर्द,को 03 साल कैद की सजा सुनाई व कुल 10,000/- रुपए का जुमार्ना लगाया गया।

आ रहे हैं घर सभी जद में

संपादक की कलम से

विदेश जाएं मोदी का जयगान करें थरूर मगर कांग्रेस छोड़कर

यह समय है देश का पक्ष विदेशों में सही तौर पर रखने का। पाकिस्तान की असलियत दुनिया को दिखाने का। यह बताने का कि हमें और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं रख सकते जैसा प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने संघर्षविराम की अचानक घोषणा करते हुए किया था और उसके बाद लगातार कर रहे हैं। पाकिस्तान आतंकवाद की मदद कर रहा है। हम उसके शिकार हैं।

कांग्रेस मुक्त भारत भी चाहिए और विदेशों में कांग्रेस का ऐसा सांसद भी जो वहां मोदी मोदी कर सके! कभी ऐसा ही कश्मीर में गुलाम नबी आजाद ने किया था। वहां भारत की बात करने के बदले मोदी मोदी का राग अलापा था। नहीं चल पाया। और भाजपा को फिर उनकी कोई और उपयोगिता नहीं दिखी। खतम कर दिया ऐसा कि आज जम्मू-कश्मीर में उनका कोई नाम लेने वाला भी नहीं है।

ऐसे ही इस समय शशि थरूर केरल में उपयोगी दिख रहे हैं जहां अगले साल विधानसभा चुनाव है। जहां असली लोकप्रिय मेट्रो मेन ई श्रीधरन को पिछले चुनाव में बीजेपी एक्सपोज कर चुकी है विधानसभा हरवा कर। इस बार हवा हवाई लोकप्रिय शशि थरूर की असलियत सामने ला दी जाएगी। मगर उससे पहले उनके नाम पर कांग्रेस को विचलित करने की राजनीति शुरू कर दी। कांग्रेस जो पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद से सरकार को पूरा सहयोग देती आ रही थी। कोई राजनीतिक सवाल नहीं कर रही थी उसे आरोप प्रत्यारोप की राजनीति में घसीटने के लिए भाजपा ने विदेशों में जाने वाले भारतीय सांसदों के प्रतिनिधि मंडल में अपनी तरफ से शामिल कर लिया। यह वैसा ही है जैसे एनडीए सरकार में नीतीश या चन्द्रबाबू नायडु द्वारा बनवाए गए मंत्रियों को हटाकर बीजेपी अपनी मर्जी से उनकी पार्टी के किसी को बुलाकर शपथ दिलवा दे।

घर में परिवार के मुखिया के नाम निमंत्रण जाता है। अगर एक का है तो वह डिसाइड करता है कि परिवार से कौन जाएगा। ऐसा तो आज तक नहीं सुना कि बुलाने वाला परिवार के किसी एक खास सदस्य को बुला ले। मगर मोदी अपनी इमेज बचाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने अपनी पार्टी में योग्य और प्रभावशाली लोगों को खतम कर दिया। जसवंत सिंह, यशवंत सिन्हा, अरुण शौरी, आडवानी, मुरली मनोहर जोशी और ऐसे ही तमाम राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय मामलों के जानकार लोगों को किनारे कर दिया। जाहिर है कि इस समय जब मोदी को विदेशों में अपनी इमेज बनाने की जरूरत है तब रमेश विधुड़ी, कपिल मिश्रा या निशिकांत दुबे और इन जैसे बहुत सारे लोग जो 11 सालों में बनाए हैं काम नहीं आएंगे।

उन्हें पढ़े-लिखे लोग ही चाहिए जो उन्होंने अपनी पार्टी से खतम कर दिए। प्रधानमंत्री मोदी को शायद अहसास हो गया होगा कि अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे लोगों का प्रभाव पड़ता है। वे खुद 11 सालों में 72 देश हो आए हैं। कई देशों में कई कई बार। इसे वे खुद भी और गोदी मीडिया भी बड़ी शान से बताते थे कि फलानी जगह पहली बार फलानी जगह इतनी बार। बहुत पहले हर शहर में यह चलता था कि फलाने बाम्बे रिटर्न हैं। और वे बाम्बे अब मुम्बई की फिल्मी दुनिया से असफल वापस लौटने वाले बड़ी शान से वहां के किस्से सुनाते थे।

मगर अभी पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के बाद मोदी के सारे विदेशी दौरों, संबंधों, गले मिलने, माई डियर फ्रेंड ट्रंप कहने की कलई खुल गई। एक देश भी भारत के साथ नहीं आया। क्या विदेश संबंध बनाए इन दौरों ने?

हमारे स्वाभाविक मित्र पड़ोसी राज्य नेपाल और भूटान भी साथ खड़े नहीं हुए। जनता इन सब चीजों को समझ रही है। थोड़ा-थोड़ा बोल भी रही है। पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी की इमेज में जबर्दस्त गिरावट आई है और फिर जब हमारी सेनाएं पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को कड़ा सबक सिखा रही थी तब अचानक किए संघर्षविराम से मोदी की छवि और गिर गई।

अब जो विदेशों में सांसदों के प्रतिनिधिमंडल भेजे जा रहे हैं तो उनका मुख्य उद्देश्य मोदी की छवि को वापस चमकाना है। और यह काम अगर कांग्रेस का एक सांसद शशि थरूर करेगा तो मोदी को लगता है कि उसका ज्यादा प्रभाव पड़ेगा।

यह समय है देश का पक्ष विदेशों में सही तौर पर रखने का। पाकिस्तान की असलियत दुनिया को दिखाने का। यह बताने का कि हमें और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं रख सकते जैसा प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने संघर्षविराम की अचानक घोषणा करते हुए किया था और उसके बाद लगातार कर रहे हैं।

पाकिस्तान आतंकवाद की मदद कर रहा है। हम उसके शिकार हैं। पहलगाम में निर्दोष 26 पर्यटक मारे गए। किसी भी हालत में भारत और पाकिस्तान को समान नहीं कहा जा सकता। दुनिया को यह बताने की जरूरत है।

जिंदगी है मूल्यवान

यह मानव चोला अच्छे कर्मों से मिला,
मिले हैं हाथ पैर फिर किस बात का गिला,
अपना पेट पालना नहीं है कोई मुश्किल,
जो रखते केवल अपना ख्याल होते बुजदिल,
खुद खाने से पहले औरों को खिलाते,
टूटे हुए दिलों को आपस में मिलाते,
मानव तन की अहमियत की पहचान,
साधारण नहीं यह जिंदगी है मूल्यवान।
हाथ दूसरों के आगे जो नहीं फैलाते,
सबकी आंखों में सर्वोपरि कहाते,
समय को बेकार के कामों में नहीं उलझाते,
शॉर्टकट के फिर कदम नहीं उठाते,
हर पल करते उत्कृष्ट प्रदर्शन,
न उलझा सके प्रलोभन भरे आकर्षण,
व्यर्थ समय गुजारना है अपमान
साधारण नहीं यह जिंदगी है मूल्यवान।
पांच शत्रुओं के वश में होने को नहीं जिंदगी,
बाहर भीतर की करनी है साफ गंदगी,
परिवार समाज राष्ट्र विश्व के बीच समन्वय,
एक अच्छे कलाकार का हो अभिनय,
उम्मीद है अच्छे और लंबे किरदार की,
लिखनी है कर्म की कहानी भी,
मिल सके इतिहास में उचित स्थान,
साधारण नहीं यह जिंदगी है मूल्यवान।
जमीन से जुड़ा ऊंचा ओहदा,
समाज भलाई नहीं घाटे का सौदा,
रोशनी है पास तो अंधेरे में रास्ता दिखाना,
ज्ञान भरा हो मस्तिष्क में तो लुटाते जाना,
अपना ही दिया आता लौट कर कई गुना,
प्यार भरा गीत भी कभी गुनगुना,
जिंदगी है तो जहान यही मान,
साधारण नहीं यह जिंदगी है मूल्यवान।

डॉ. विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

– पलाश सुरजन

इस आग में केवल कुछ बैंक कर्मचारी, डिलीवरी ब्वॉय, ऑटो चालक, बस कंडक्टर, वायुसेना के अधिकारी, मछली व्यापारी या प्रवासी मजदूर ही नहीं झुलस रहे हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता को भारी आघात पहुंच रहा है। कई सदियों से 'अनेकता में एकता' हमारे देश की विशिष्ट पहचान रही है, उसे बनाये रखने के लिए सुविचारित दृष्टि, दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम की जरूरत होती है।

भारतीय समाज में धर्म और जाति की जो महीन और अदृश्य दरारें थीं, बीते कुछ सालों में वे खाई में तब्दील हो चुकी हैं। उन्हें पाटने के उपाय अभी तक सोचे नहीं जा सके हैं और उधर नई दरारें भाषा, खान-पान और प्रांत के नाम पर पैदा करने का काम शुरू हो गया है। दो साल पहले मुंबई के एक उपनगर की बहुमंजिला इमारत में एक मराठी महिला को फ्लैट देने से मना कर दिया था, जिस पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना को दखल देना पड़ा। उस इमारत के अधिकांश रहवासी गुजराती हैं और वे नहीं चाहते थे कि कोई गैर गुजराती वहां आये। ऐसा ही मामला हाल में फिर हुआ जब मुंबई के ही एक और उपनगर में एक गुजराती शख्स ने अपने मराठी पड़ोसी के खान-पान को लेकर पूरे महाराष्ट्रीय समुदाय को गंदा कह दिया। इस पर अच्छा-खासा विवाद खड़ा हो गया, जो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के हस्तक्षेप के बाद शांत हुआ।

मुंबई में मराठी में ही बात करने, दुकानों-कंपनियों के बोर्ड मराठी में ही लगाने पर इस कदर जोर दिया जा रहा है कि हिन्दी या किसी और भाषा में बात करने

वालों के साथ बहस और मारपीट तक होने लगी है। पिछले महीने डोम्बिवली इलाके में 'एक्स्क्यूज मी' कहने पर दो महिलाओं को पीट दिया गया। अपने आपको मराठियों का सबसे बड़ा हितचिंतक बताने वाली शिवसेना (यूबीटी) ने मांग की कि रेस्तरां और खाने-पीने के ठियों पर पर मेन्यू कार्ड मराठी भाषा में हों तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकताओं ने बैंकों में सभी डिस्प्ले बोर्ड मराठी में लगवाने और कर्मचारियों से सिर्फ मराठी बोलने के लिए दबाव बनाया और ऐसा न करने पर उन्हें अंजाम भुगतने की धमकियां दीं। एक-दो जगह तो उन पर हमले भी किये गये। इससे परेशान बैंक कर्मचारियों के संगठन ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस को चिट्ठी लिखकर सुरक्षा देने की मांग की।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकताओं ने पवई इलाके में एक चौकीदार को भी इसलिए मारा क्योंकि उसे मराठी नहीं आती। इसी तरह एक सुपर बाजार में एक ग्राहक ने वहां के कर्मचारी से मराठी में बात करने के लिए कहा। कर्मचारी के यह कहने पर कि वह केवल हिन्दी में बात कर सकता है, तो ग्राहक ने मनसे से शिकायत कर दी। इसके बाद मनसे के एक नेता ने अपने समर्थकों के साथ सुपर बाजार पहुंचकर कर्मचारी की पिटाई कर दी। मुंबई जैसे बहुभाषी महानगर में मराठी ही बोलने के दुराग्रह का एक और उदाहरण सामने आया है। भांडुप इलाके में एक दंपति ने पिज्जा का ऑनलाइन ऑर्डर दिया और जब डिलीवरी ब्वॉय उनके पास पहुंचा तो उन्होंने यह कहते हुए भुगतान करने से इनकार कर दिया, कि उसे मराठी बोलना नहीं आता। डिलीवरी ब्वॉय से दंपति ने कहा कि पैसे चाहिये तो मराठी बोलनी पड़ेगी। हमारे यहां ऐसा ही है।ऐसा नहीं है कि मराठी बनाम अन्य भाषा विवाद केवल मुंबई तक सीमित है। इसी साल फरवरी में बेलगावी में लोगों ने मराठी में बात न करने पर कर्नाटक सड़क परिवहन निगम के बस कंडक्टर की पिटाई कर दी थी। इस घटना का असर महाराष्ट्र-कर्नाटक के बीच संचालित बस सेवा पर भी हुआ और आम यात्रियों को तकलीफ उठानी पड़ी। बेलगावी को लेकर कर्नाटक और महाराष्ट्र का झगड़ा कोई 6 दशक पुराना है और यह घटना जिस जगह हुई, वह महाराष्ट्र का सीमावर्ती इलाका है। इसी बेलगावी जिले के जांबोटी में मराठी न बोलने पर कर्नाटक रक्षणा वेदिके के एक नेता की भी पिटाई की गई। दूसरी तरफ कन्नड़ कट्टरपंथी भी कुछ कम नहीं निकले। बीते महीने उन्होंने बेंगलुरु में कन्नड़ न बोलने के कारण भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी और उनकी पत्नी पर हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया।बेंगलुरु के ही एक वायरल वीडियो में कोई उत्तर भारतीय शख्स एक ऑटो रिक्शा वाले से यह कहते हुए दिखता है, कि 'अगर आप बेंगलुरु में रहना चाहते हैं तो हिन्दी में बात करें।' इस पर ऑटो चालक ने जवाब दिया कि 'आप बेंगलुरु में हैं, कन्नड़ में बात करें। मैं हिन्दी में बात नहीं करूंगा।' इस विवाद से कन्नड़ भाषियों में आक्रोश भड़का तो उस शख्स ने सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली। इस महीने की शुरूआत में मालदा के 40 प्रवासी मजदूर ओडिशा से काम छोड़कर वापस आ गये। उन्होंने बताया कि संबलपुर के कुछ स्थानीय निवासियों ने उन्हें धमकाया, उनके साथ बदसलूकी और मारपीट की। मजदूरों ने आरोप लगाया कि उन पर इसलिए हमला किया गया क्योंकि 'वे बंगाल से थे।' गौरतलब है कि पिछले साल ऐसे ही मामलों को लेकर प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन मांझी को फोन कर कड़ा ऐतराज जताया था।प. बंगाल के निवासियों की पीड़ा यह भी है कि दूसरे प्रांतों के लोग वहां आकर उनकी संस्कृति और परंपराओं को नष्ट-भ्रष्ट कर रहे हैं। इस प्रदेश में दुर्गा पूजा ही प्रमुख त्योहार रही है, लेकिन बीते एक दशक से रामनवमी का जोर बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही सांप्रदायिक तनाव और हिंसा की घटनाएं भी बढ़ी हैं। 'द हिन्दू' की एक खबर के अनुसार, शिक्षाविदों और नागरिक अधिकार कार्यकताओं ने राज्य में 'हिन्दू त्योहारों को हथियार बनाने' पर सवाल उठाये हैं और चिंता जताई है। पश्चिम बंगाल में संघर्ष और सह-अस्तित्व के मुद्दों पर काम करने वाले संगठन-'आमरा एक सचेतन प्रयास' ने 2016 से 2023 की अवधि में प्रदेश में रामनवमी के दौरान पनपे सांप्रदायिक तनाव पर एक रिपोर्ट तैयार की है जिसमें आसनसोल-रानीगंज, हावड़ा और रिशरा में परस्पर टकराव की कई घटनाओं का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि 'तृणमूल कांग्रेस ऐसे जुलूस आयोजित करने या उन्हें सहायता देने और में भाजपा और उसके हिन्दूवादी सहयोगियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है।' महीने भर पहले दिल्ली के चितरंजन पार्क में कुछ लोगों ने एक मंदिर के बगल में मछली की बिक्री पर यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि इससे उनकी भावनाएं आहत हो रही हैं। इस इलाके में बड़ी संख्या में बांग्लाभाषी लोगों की रिहाइश है, वहां मछली बाजार होना अस्वाभाविक तो नहीं हो सकता। दूसरी बात यह कि यह बाजार कोई निजी नहीं, बल्कि दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा स्थापित किया गया है। फिर वह मंदिर भी उसी बाजार के दुकानदारों का बनवाया हुआ है। साल 2023 में अहमदाबाद में पूर्वोत्तर की खाद्य सामग्री बेचने वाली एक दुकान के दो कर्मचारियों पर एक भीड़ द्वारा हमला कर दिया गया था। भीड़ का मानना था कि उस दुकान से मांसाहारी पदार्थ बेचे जाते हैं, जबकि कर्मचारियों का कहना था कि वे पूर्वोत्तर की कुछ खास किस्म की सब्जियां और चावल वगैरह ही बेचते हैं। दोनों कर्मचारी नागालैंड के मूल निवासी थे तो वहां के भाजपा अध्यक्ष और राज्य मंत्री तेमजेन इमना अलोंग ने इस घटना की निंदा की थी और निराशा भी व्यक्त की थी।

फिलहाल, राहत की बात है कि भारी विरोध के चलते मनसे ने अपना आंदोलन रोक दिया है। हालांकि गैर मराठीभाषी लोगों के प्रति अवमानना का उसका भाव तो खत्म होने से रहा। उधर शिवसेना (उद्धव गुट) ने भी कहा है कि वह गैर महाराष्ट्रीय लोगों को प्यार से मराठी सिखायेगी। देखना होगा कि मनसे कब तक इस मुद्दे पर शांत रहती है, मराठी सिखाने के क्या इंतजाम शिवसेना करती है और कितने लोग उसके प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं।

बाराती तैयार!

ऑपरेशन सिंदूर की सफल शस्त्रसंधि प्रयोग के बाद मोदी सरकार ने एक और प्रयोग की घंटी बजा दी है। पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों पर प्रकाश डालने के लिए विश्व के कई देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का निर्णय लिया गया है। सरकार ने स्वयं सांसदों की टीम और टीम के नेताओं का चयन किया है। इसलिए सभी दलों के सांसदों को (?) सरकारी खर्च पर विदेश यात्रा का मौका मिलेगा। पहलगाम हमले और ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल के बीच हुई सर्वदलीय बैठकों में विपक्षी दलों की ओर से दो मुख्य मांगें रखी गईं। पहली मांग यह है कि पहलगाम हमले और कश्मीर मुद्दे पर चर्चा के लिए संसद का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाया जाए और प्रधानमंत्री को उस चर्चा में उपस्थित रहना चाहिए। दूसरी मांग यह है कि सरकार के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल कश्मीर जाए और वहां के लोगों को दिलासा व आधार दिया जाए। इन दोनों मांगों की अनदेखी कर सरकार ने ह्यचुनिंदा सर्वदलीयह्ल सांसदों को विदेश यात्रा पर भेजने का निर्णय लिया है। इससे यह साबित हो गया कि मोदी सरकार की पूंछ चाहे जो हो जाए, टेढ़ी ही रहेगी। सरकार ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल और पहलगाम हमले का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रही है। विदेश में प्रतिनिधिमंडल भेजने से पहले इस मुद्दे पर संसद में चर्चा होना जरूरी था। ऐसा नहीं हुआ। ये सांसद विदेश जाकर भारत में पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के बारे में जानकारी देंगे, सवाल यह है कि वास्तव में वे करेंगे क्या? भारत कश्मीर मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने की गलती कर रहा है। इजराइल-हमास युद्ध जारी है और हमास का खात्मा करते समय

गाजा पट्टी में निर्दोष लोग

मारे जा रहे हैं। नेतन्याहू साहब ने दुनियाभर में रोना-रोने के लिए अपने प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजे कि हमास वाले इजराइल में घुसपैठ कर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं और रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर में यात्रा करते नहीं दिख रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की व्हाइट हाउस में घुसे और उन्होंने ट्रंप से कहा, ह्यसर, यूक्रेन एक संप्रभु स्वतंत्र राष्ट्र है। हम आज संकट में हैं, लेकिन हमने अपने आत्मसम्मान की कीमत पर आत्मसमर्पण नहीं किया है। हम लड़ेंगेह्ल इसके उलट भारत के साथ हुआ। जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध चल रहा था, तब ट्रंप ने वॉशिंगटन से दोनों देशों के बीच युद्धविराम की घोषणा की और भारत को आंखें दिखाईं। ये आतंकवाद ही है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल और उनके नेता अमेरिका जा रहे हैं, क्या वे ट्रंप की घुसपैठ के बारे में सवाल पूछेंगे? विश्वभर में यात्रा करनेवाले प्रतिनिधिमंडलों को यह भी बताना होगा कि भारत द्वारा आतंकवाद से लड़ाई के दौरान इस युद्ध को रोककर ट्रंप ने एक तरह से पाकिस्तान की किस प्रकार मदद की। देश का महत्व और प्रतिष्ठा निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन उस पर राजनीति और गड़बड़-हड़बड़ करना उचित नहीं है। कांग्रेस द्वारा प्रतिनिधिमंडल के लिए दिए गए नामों में शशि थरूर का नाम नहीं था, लेकिन मोदी सरकार ने बदले में थरूर का नाम शामिल कर दिया। थरूर इन दिनों हर दिन मोदी के भजन गा रहे हैं। यह उसका प्रसाद है! कांग्रेस के विरोध को नजरअंदाज कर थरूर को प्रतिनिधिमंडल में शामिल करना एक अलग तरह की राजनीति है। यह महत्वपूर्ण है कि थरूर अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार हैं और राजनीति में आने से पहले उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में काम किया था, लेकिन कांग्रेस के विरोध के बावजूद थरूर को शामिल किया गया। सांसदों के एक समूह का नेतृत्व सौंपा गया तो क्या इसका मतलब यह समझ लिया जाए कि मौजूदा विदेश मंत्री जयशंकर वैश्विक तौर पर देश का पक्ष
प्रस्तुत करने में असफल हो रहे हैं?

प्रतिनिधिमंडल में आप, राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस को जगह नहीं दी गई। सुप्रिया सुले और अमित शाह के ह्यशिंदेह्ल गुट के सात-आठ सांसद होते हुए भी उन्हें प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व दिया गया यानी शिंदे के पुत्र प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख हैं। यह गड़बड़झाला राजनीतिक और पेटदर्द पैदा करनेवाला है। ये सभी लोग विदेश जाकर वास्तव में किन के सामने भारत का पक्ष रखने वाले हैं? क्या भारत इतना कमजोर देश बन गया है कि उसे दुनियाभर में सांसद भेजकर भारत में पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ अपना पक्ष रखना पड़ रहा है? देश में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पुराना है। मोदी को उस आतंकवाद की कमर तोड़नी थी, लेकिन अब उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ गुस्सा भड़काने के लिए दुनियाभर में सांसदों की टीमें भेजनी पड़ रही हैं। इसे क्या कहा जाए? हम आज आपको चेतावनी दे रहे हैं कि हम इस कार्य के जरिए पाकिस्तान का महत्व बढ़ा रहे हैं। वास्तव में, दुनियाभर में हमारे दूतावास हैं और वे सभी राजदूत पिछले दो महीनों से दुनियाभर में यही काम कर रहे हैं। दरअसल, ह्यपाकिस्तान को हमले और ठिकानों की पूर्व सूचना देकर भारत ने हमले किएह्ल ऐसे मूर्खतापूर्ण बयान देनेवाले विदेश मंत्री जयशंकर को चलता कर देना चाहिए। दूसरा, ह्यजब भारत पर आतंकवादी हमला हो रहा था तब आपके आंतरिक सुरक्षा मंत्री यानी गृह मंत्री श्री शाह क्या कर रहे थे?

ऑपरेशन सिंदूर के बाद उपजे हालात

ऑपरेशन सिंदूर सेना के पराक्रम की एक और बड़ी मिसाल और देश की बड़ी उपलब्धि है। इस ऑपरेशन के बाद अमेरिका, इंग्लैंड, तुर्किए, कतर, अजरबैजान, चीन इन तमाम देशों का जो रुख रहा, वह भारत के लिए सुखद नहीं है, लेकिन कम से कम अब हमें यह पता चल गया है कि जिन्हें हम अपना दोस्त या शुभचिंतक देश मानते थे, वे असल में पाकिस्तान के करीबी निकले। भविष्य में विदेश नीति के तहत फैसले लेने में इस सबक को याद रखा जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान का आतंकवाद समर्थित चेहरा भी सामने आया और यह भी पता चल गया कि कश्मीर मसले का अंतरराष्ट्रीयकरण करवाने के लिए वह किस तरह मौके तलाशता है। इधर घरेलू मोर्चे पर भी ऑपरेशन सिंदूर के बाद कुछ कड़वी हकीकतें सामने आई हैं, जिन्हें अब नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इनका सामना कर अपनी गलती समझना चाहिए।

देश में सत्तारुढ़ भाजपा ने ऑपरेशन सिंदूर के फौरन बाद नरेन्द्र मोदी को इसका श्रेय देते हुए कई जगहों पर पोस्टर लगवाए, 13 मई से भाजपा देशव्यापी तिरंगा यात्रा भी निकाल रही है, जिसमें सेना के पराक्रम के साथ-साथ नरेन्द्र मोदी की शौर्यगाथा भी सुनाई दे रही है। इधर विपक्ष संसद के विशेष सत्र की मांग बुलाता रह गया, लेकिन मोदी सरकार ने उसका जवाब नहीं दिया और अब सात प्रतिनिधिमंडल बनाए गए हैं, जिनमें सभी दलों के नेता शामिल हैं। ये प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में जाकर बताएंगे कि चरमपंथ पर भारत का क्या रुख है और ऑपरेशन सिंदूर क्यों सही था। संक्षेप में मोदी सरकार का पक्ष रखने सभी दलों के लोग जाएंगे, विपक्ष के भी। पिछले कार्यकाल तक नरेन्द्र मोदी विपक्षमुक्त भारत की बात कहते थे, सरकार से सवाल पूछने पर सौ से ज्यादा विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन दुनिया को बताना है कि भारत में कितना मजबूत लोकतंत्र है, तो अब विपक्ष के सांसदों को भी दल का हिस्सा बनाया गया है। भाजपा ने इसमें कांग्रेस से शशि थरूर को शामिल कर एक सियासी चाल भी चली है। कांग्रेस से जब प्रतिनिधिमंडल के लिए नाम मांगे गए थे, तो उसने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और राजा बरार के नाम थे, लेकिन इनकी जगह शशि थरूर को भाजपा ने रखा। अभी 2 मई को केरल में श्री थरूर ने प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा किया था, तब श्री मोदी ने कहा था कि आज बहुतों की नींद हराम होगी। उस वाक्य के आगे कहानी और कितनी बाकी थी, यह अब दिख रहा है। खैर अब यह शशि थरूर के विवेक पर निर्भर है कि वे अपने दल के साथ संकट के वक्त यह खिलवाड़ होने देते हैं या फिर उस शख्स के साथ खड़े होते हैं, जिसने उनकी पत्नी के लिए 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड जैसा अभद्र बयान दिया था। वैसे इस प्रतिनिधिमंडल को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि इतने बरसों में श्री मोदी जनता के पैसों पर कई देशों की यात्रा करते रहे, मोदी-मोदी के नारे लगते रहे, लेकिन जरूरत पड़ी तो अफगानिस्तान के सिवा कोई देश भारत के साथ खुलकर नहीं खड़ा नहीं हुआ। अब उसी जनता के पैसों पर सांसद विदेशों में जाएंगे, लेकिन क्या इससे भारत का पक्ष मजबूत हो पाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सेना की वाहवाही तो हो रही है, लेकिन इसकी जानकारी देने के लिए कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह का सामने आना भी चर्चा का एक अलग ही मुद्दा बन गया। देश में अधिकतर लोगों ने इसकी तारीफ ही की और लड़कियों की सेना में बढ़ती धमक पर खुशी जाहिर की। लेकिन मध्यप्रदेश में केबिनेट मंत्री विजय शाह और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के अप्रिय बयानों ने बता दिया कि निम्न स्तर की राजनीति के लिए भी सेना को भी नहीं बख्शा जा रहा है।

विजय शाह का मामला तो अदालत में है, लेकिन अब तक भाजपा का रवैया उन्हें बचाने वाला दिख रहा है। वहीं अशोका विश्वविद्यालय में शिक्षक अली खान महमूदाबाद ने अपनी फेसबुक पोस्ट में ऑपरेशन सिंदूर पर महिला अफसरों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के द्वारा मीडिया ब्रीफिंग को अहम बताया था लेकिन यह भी लिखा था कि अगर यह जमीन पर हकीकत में नहीं बदला तो यह 'पाखंड' होगा। इस पोस्ट को हरियाणा के महिला आयोग ने भारतीय सेना में महिलाओं का अपमान माना और यह कहा कि इससे सांप्रदायिक विद्वेष बढ़ेगा। आयोग ने महमूदाबाद को दिए नोटिस में उनकी इस टिप्पणी को सैन्य कार्रवाइयों को बदनाम करने की कोशिश बताया था। अब हरियाणा पुलिस ने महमूदाबाद को गिरफ्तार कर लिया है। अब यह सोचने वाली बात है कि एक फेसबुक पोस्ट पर शिक्षक को गिरफ्तार किया गया, लेकिन सरकार में मंत्री पद पर बैठे लोग ऐसी कार्रवाइयों से क्यों बचे हुए हैं।

इधर पाकिस्तान से बढ़ रहे तनाव के बीच एक सनसनीखेज खबर आई कि हरियाणा की एक यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को जासूसी करने और संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बताया गया कि ज्योति पाकिस्तानी उच्चायोग के किसी कर्मी से संपर्क में थी और यह भी कि वह दो साल पहले पाकिस्तान गई थी। इस मामले की गहन और ईमानदार जांच होनी चाहिए।

हृदय की अनियमित धड़कन के पाँच संकेत

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

झज्जर, 20 मई। हृदय के अनियमित रूप से धड़कने को हार्ट एरिद्मिया कहा जाता है। यह तब होता है जब हृदय को धड़कने का निर्देश देने वाले इलेक्ट्रिकल सिग्नल में गड़बड़ी हो जाती है। इस स्थिति में हृदय या तो बहुत तेज धड़कने लगता है या फिर बहुत धीरे और हृदय के धड़कने की दर अस्थिर हो जाती है। कुछ मामलों में कार्डियेक एरिद्मिया से कोई नुकसान नहीं होता है। जबकि कभी-कभी स्थिति जानलेवा तक हो सकती है। इसलिए किसी भी जटिलता से बचने के लिए इसके शुरूआती लक्षणों को पहचानना बहुत आवश्यक है। डॉ. दीक्षित गर्ग, कंसल्टेंट इंटरवेंशन - कार्डियोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल, गुरुग्राम ने कहा, ह्यहृदय की धड़कन में होने वाली सामान्य समस्याओं को जीवनशैली में परिवर्तन और दवाओं की मदद से ठीक किया जा सकता है। पर अगर समस्या बढ़कर गंभीर हो गई हो, तो कैथेटर एब्लेशन, पेसमेकर या आईसीडी इंप्लांटेशन की मदद ली जाती है, या फिर बाईपास सर्जरी जैसी सर्जरी भी की जा सकती है। लेकिन हृदय रोग से बचने के लिए समय पर पहचान और रोकथाम सबसे अच्छा उपाय है। इसलिए चुस्त जीवनशैली रखें, तनाव को न बढ़ने दें और हृदय के लिए स्वस्थ आहार का सेवन करें। ध्यान देने वाले महत्वपूर्ण लक्षणःसाँस का फूलनाः हल्के-फुल्के काम, जैसे पैदल चलने या सीढ़ियाँ चढ़ने में भी साँस का फूल जाना। हृदय की अनियमित धड़कन की वजह से शरीर में ऑक्सीजन कम हो जाती है, जिसके कारण लगातार साँस लेते रहना मुश्किल हो जाता है।चक्कर आनाः जब हृदय ठीक से काम नहीं कर पाता है, तो दिमाग में खून की आपूर्ति कम हो जाती है। इसकी वजह से सिर घूमना, चक्कर आना और बेहोशी महसूस हो सकती है। छाती में दर्दः एरिद्मिया के दौरान कभी-कभी छाती में दर्द हो सकता है। अगर साँस फूलने या मितली के साथ यह लक्षण महसूस हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।थकान या कमजोरीः जब हृदय शरीर में ठीक से खून को पंप नहीं कर पाता है, तो थकान या कमजोरी महसूस होने लगती है। ऐसे में दैनिक काम में भी थकान महसूस होने लगती है। यह हृदय की समस्या का लक्षण होता है। हृदय का अनियमित रूप से धड़कनाः हृदय की धड़कन चूकना या बहुत तेज या बहुत धीमे धड़कना एरिद्मिया का लक्षण हो सकता है। यह बिना किसी कारण के कभी-कभी या नियमित रूप से हो सकता है।डॉ. दीक्षित गर्ग, कंसल्टेंट इंटरवेंशन - कार्डियोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल, गुरुग्राम एरिद्मिया से पीड़ित मरीजों को परामर्श देने के लिए नियमित तौर से झज्झर का दौरा करते हैं। वो शुक्रवार, 23 मई, 2025 को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच मेडिकेयर हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर, झज्झर में मौजूद रहेंगे।

एनएचपीसी लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ ने स्वच्छता पखवाड़ा 2025 विषय पर आयोजित की पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता

हरियाणा वाटिका/अमूल्या

चंडीगढ़, 20 मई। एनएचपीसी लिमिटेड (भारत सरकार की एक नवरत्न कंपनी) क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा कार्यपालक निदेशक निर्मल सिंह के मार्ग दर्शन में "स्वच्छता पखवाड़ा -2025" का आयोजन दिनांक 16.05.2025 से 31.05.2025 तक आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आज महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल, एमडीएवी भवन, दरिया, चंडीगढ़ में पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के दौरान 125 विद्यार्थियों ने स्वच्छता पर अर्थपूर्ण पोस्टर बनाये। विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता के माध्यम से यह बताने की कोशिश कि हमें अपने घर, स्कूल, पार्क, सड़क, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थानों व आसपास सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने अपने चित्रकला के माध्यम से दशार्या की डस्टबिन का प्रयोग करना चाहिए। सूखे और गीले कचरे के लिए अलग - अलग डस्टबिन का प्रयोग करें । उन्होंने यह भी कहा कि पूरी धरा को हरा भरा रखना हम सब की जिम्मेदारी है। प्लास्टिक का कम से कम प्रयोग करें। कई बच्चों ने ग्रीन इंडिया, क्लीन इंडिया का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि यदि स्वच्छता का ध्यान रखा जाए तो बीमारियां कम होगी और लोग स्वस्थ रहेंगे। बच्चों ने अपनी चित्रकला द्वारा लोगों से अपील की कि इस अभियान में निःसंकोच सभी शामिल हों। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने पर भी बल दिया। एनएचपीसी की ओर से पोस्टर बनाने के लिए सामग्री मुहैया करवाई गई तथा सभी प्रतिभागियों को रिफ्रेशमेंट भी दी गई। स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. विनोद कुमार ने स्वच्छता ही सेवा पर पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए एनएचपीसी लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के नन्हे विद्यार्थी हुए ऋषि मार्कंडेश्वर मंदिर में नतमस्तक, मिला सांस्कृतिक व धार्मिक अनुभव

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 20 मई। सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्री-नर्सरी से यू.के.जी. तक के लगभग 150 विद्यार्थियों को एक खास धार्मिक व सांस्कृतिक अनुभव का अवसर मिला जब वे ऋषि मार्कंडेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए पहुंचे। छोटे-छोटे बच्चों ने मंदिर परिसर में माथा टेक कर अपने नन्हे हाथों से पूजा अर्चना की और वहां का माहौल देखकर अत्यंत आनंदित हुए। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एस. घुम्मन ने बच्चों को धार्मिक विविधता और उसकी शिक्षा के महत्व को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने कहा कि विद्यालयी शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को धार्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों से भी परिचित कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे वातावरण में बच्चों को मानसिक शांति और आत्मिक प्रसन्नता मिलती है, जो उनके समग्र विकास के लिए लाभकारी होती है। मंदिर के पुजारी पंडित श्याम सुंदर और भजन लाल ने बच्चों को ऋषि मार्कंडेय के जीवन, उनके तप और शिक्षाओं के बारे में बताया। बच्चों ने ध्यानपूर्वक सारी बातें सुनीं और कई प्रश्न भी पूछे, जिनका संतोषजनक उत्तर पुजारियों ने दिया। बच्चों ने मंदिर परिसर में लगे विभिन्न प्रकार के झूलों व खेलों का भी भरपूर आनंद उठाया और आपस में खुशियां बांटीं। इस धार्मिक यात्रा से बच्चों को एक साथ आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक अनुभव प्राप्त हुआ। इस अवसर पर स्कूल के एडमिनिस्ट्रेटर मनोज भसीन, मैडम लखविंदर कौर, रितु सैनी, मोनिका सचदेवा, सतनाम कौर, हरविंदर कौर, सुदर्शना, भावना गुप्ता, अरुण रानी, बलजीत सिंह सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे और बच्चों के साथ इस यादगार पल को सांझा किया। यह आयोजन बच्चों के लिए न केवल मनोरंजन का माध्यम रहा, बल्कि उन्होंने धार्मिकता और संस्कृति का भी अद्भुत अनुभव प्राप्त किया।

कार्यकर्ताओं को पुरानी लय में दिखूंगा: कुलदीप बिश्नोई

- पुराने अंदाज में कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे बिश्नोई

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 20 मई। पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नाई मंगलवार को अपने पुराने अंदाज में सिरसा, रानियां, डबवाली व हिसार हलके में कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता मेरी असली ताकत हैं जो पिछले 20-22 साल से हर परिस्थिति में लगातार मेरे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं और उन्होंने हर समय मेरा साथ दिया है। मेरे लिए मेरे कार्यकर्ता ही सब कुछ हैं। बिश्नोई ने सिरसा सहित अन्य कई स्थानों पर सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लिया व कार्यकताओं से मिले। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कारणों और पारिवारिक व्यस्तता के चलते वे प्रदेश भर के अपने वर्करों को उतना समय नहीं दे पाए थे परंतु अब वे पूरी ऊर्जा के साथ कार्यकताओं के बीच जाएंगे और उसी पुरानी लय में दिखेंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा सिद्धांतों, ईमानदारी एवं उसूलों की राजनीति की है और हमेशा करता रहेंगे। इससे न कभी समझौता किया है और न करूंगा। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का मलाल है कि मैं कार्यकताओं के इतने काम नहीं कर

पाया जितनी उन्हें उम्मीद थी लेकिन हमेशा अपने कार्यकताओं के साथ खड़ा हूं और आगे भी खड़ा मिलूंगा। कार्यकर्ता निराश न हों क्योंकि प्रदेश की जन हितैषी नायब सरकार बिना भेदभाव के सभी वर्गों के लिए समान रूप से कार्य करवा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिस दिन से सीएम का पद संभाला है वे अपनी पूरी ऊर्जा व परिश्रम से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार में प्रदेश तरक्की के रास्ते पर अग्रसर है तथा सभी के काम बिना किसी भेदभाव के हो रहे हैं।

पूर्व सांसद ने केंद्र में मोदी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल ने पाकिस्तान के सीने पर ऐसा जख्म किया है जो उसे हमेशा याद रहेगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता का परिणाम है कि उन्होंने देश की सीमाओं को सुरक्षित और मजबूत किया व हमारी सैन्य शक्ति को इतना शक्तिशाली और आधुनिक रूप दिया है कि पड़ौसी देश हमारे बराबर में कहीं भी नहीं टिकता। इसका प्रमाण पाकिस्तान के साथ हुई स्ट्राइक में मिल गया है। नरेंद्र मोदी के रूप में देश को ऐसे प्रधानमंत्री मिले हैं जो बिना रुके-बिना थके निरंतर देश को विश्व में नंबर बनाने में लगे हैं। बिश्नोई ने कहा कि वे पूरे प्रदेश में हर हलके में जाकर कार्यकताओं से मिलेंगे और उनमें नई ऊर्जा का संचार करेंगे तथा अब पुनः पूरी ताकत व ऊर्जा के साथ काम करेंगे।

विश्वास पब्लिक स्कूल में विद्यार्थी परिषद का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

देशुन बने हेड बॉय, परीजा बनीं हेड गर्ल-छात्रों ने ली निष्ठा और अनुशासन की शपथ

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 20 मई। विश्वास पब्लिक स्कूल शाहाबाद के सीनियर व जूनियर विंग में विद्यार्थी परिषद का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। विद्यालय की प्राचार्या स्नेह राजपाल ने परिषद के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को ईमानदारी, अनुशासन, और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने कार्यों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई। इस वर्ष विद्यार्थी परिषद में देशुन को हेड बॉय और परीजा को हेड गर्ल नियुक्त किया गया। वहीं, कार्तिक को डिप्टी हेड बॉय और सुदीक्षा को डिप्टी हेड गर्ल की जिम्मेदारी सौंपी गई। जश्न खुराना को डिसिप्लिन बॉय, पलक को डिसिप्लिन गर्ल, सिद्धार्थ को डिप्टी डिसिप्लिन बॉय और काम्या को डिप्टी डिसिप्लिन गर्ल बनाया गया। प्राचार्य राजपाल ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थी परिषद के सदस्य विद्यालय की रीढ़ होते हैं।

वे न केवल अनुशासन और नेतृत्व के उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, बल्कि अपने सहपाठियों के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनते हैं। उन्होंने कहा कि यह समारोह छात्रों को नेतृत्व कौशल, जिम्मेदारी की भावना और आत्मविश्वास से भरने का अवसर देता है। विद्यालय में चार सदनों विवेकानंद, सुभाष, भगत सिंह और राम तीरथ का गठन किया गया। सभी सदनों के इंचार्ज शिक्षकों द्वारा अपने-अपने सदन के कैप्टन, वाइस कैप्टन और परफेक्ट्स के नामों की घोषणा की गई और चयनित छात्रों को बैज व सेश पहनाकर सम्मानित किया गया। विवेकानंद सदन से तनिष्का (कैप्टन), परमवीर (वाइस कैप्टन) सहित कनिष्क, वैष्णवी, गर्विश, एकमवीर, एकमजीत, वीरेंद्र, तनवीर और विहान परफेक्ट बने। सुभाष सदन से युग (कैप्टन), पीहू (वाइस कैप्टन) और अन्य परफेक्ट्स में माहिर, एकमप्रीत, मनरीत, कविश, दक्षदीप, दिवरूप, साजन व मयंक शामिल रहे। भगत सिंह सदन से प्रभतेज (कैप्टन), परनीत कौर (वाइस कैप्टन) और हितांश, अनुपमा, लविश, आयुष, सहजदीप, आराध्या, अभिनव व गुरमनदीप परफेक्ट चुने गए। राम तीरथ सदन से मानसी (कैप्टन), दीपांशु (वाइस कैप्टन) व परफेक्ट्स में भारती, एविश, अंतरिक्ष, राम, चार्वी, तेजस, वेदांत और अभिजोत शामिल रहे। कक्षा पहली से पांचवी तक के बच्चों में प्रियांशी, पार्थ, सान्वी और जसतेग परफेक्ट चुने गए। जूनियर विंग में सुभाष हाउस से एकनूर को हेड गर्ल और गौरांश को हेड बॉय नियुक्त किया गया। सुभाष सदन में नाविका (कैप्टन), दीक्षा (वाइस कैप्टन), सिमरत, वृंदा, जीविका, अक्षरा, अन्वी, जपजी और रिद्धि डिप्टी डिसिप्लिन इंचार्ज चुनी गईं। विवेकानंद सदन से सान्वी (कैप्टन), इदिका (वाइस कैप्टन), जसकीरत, एश्विका, मैत्रिका, पूर्वी, लावण्या, अर्शिया और एषणा को डिप्टी डिसिप्लिन इंचार्ज नियुक्त किया गया। सभी चयनित छात्रों ने संकल्प लिया कि वे अपने कर्तव्यों का पालन पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करेंगे तथा विद्यालय के अनुशासन और मूल्यों को सर्वोपरि रखेंगे।

लोहारू उप नागरिक अस्पताल में आने वाली गर्भवती महिलाओं को मिलेगी निःशुल्क अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा, गर्भवती महिलाओं को मिलेगी सुविधा

स्वास्थ्य विभाग ने निजी अल्ट्रासाउंड केंद्र ओम अस्पताल को किया लिंक, विभाग वहन करेगा खर्चा, चिकित्सक की मनमानी पर लगेगी रोक

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 20 मई। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत लोहारू स्थित उप नागरिक अस्पताल में आने वाली गर्भवती महिलाओं की अल्ट्रासाउंड जांच अब बिल्कुल निःशुल्क हो सकेगी। उनके मोबाइल पर एक ई-वाउचर मिलेगा। इसे ही दिखाकर निजी जांच केंद्रों पर अल्ट्रासाउंड कराया जा सकेगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इसके लिए नगर के ओम अल्ट्रासाउंड केंद्र को अस्पताल के साथ लिंक किया गया है। इसके तहत अब अस्पताल की ओर से गर्भवती महिलाओं को लिखी गई अल्ट्रासाउंड जांच इस निजी केंद्र पर निःशुल्क हो सकेगी तथा विभाग द्वारा इसका खर्च वहन किया जाएगा। ऐसे में गर्भवती महिलाओं को समय व धन की तो बचत होगी ही बल्कि उन्हें दूरदराज के केंद्रों पर अल्ट्रासाउंड के लिए नहीं भटकना पड़ेगा।

उल्लेखनीय है कि अब तक लोहारू व आसपास क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को अब अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए भिवानी, पिलानी, चिड़ावा या निजी केंद्रों पर जाना पड़ता था। इस परेशानी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग भिवानी द्वारा लोहारू के उप

नागरिक अस्पताल में जांच के लिए आने वाली गर्भवती महिलाओं के अल्ट्रासाउंड के लिए नगर के ओम अस्पताल को अल्ट्रासाउंड केंद्र के साथ लिंक किया गया है।

अब अस्पताल में आने वाली गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड के लिए अस्पताल की ओर से एक रसीद जारी की जाएगी जिस पर मरीज की डिटेल के साथ अल्ट्रासाउंड करवाने वाले चिकित्सक का नाम, हस्ताक्षर, रजिस्ट्रेशन नंबर व मोहर होगी। गर्भवती महिला को यह रसीद विभाग द्वारा लिंक किए गए निजी अल्ट्रासाउंड केंद्र पर जाकर दिखानी होगी। इसके बाद निजी अल्ट्रासाउंड केंद्र के चिकित्सक द्वारा गर्भवती महिला का निःशुल्क अल्ट्रासाउंड किया जाएगा। अल्ट्रासाउंड पर आने वाला खर्च स्वास्थ्य विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। इसके लिए 350 रुपये प्रति अल्ट्रासाउंड की दर तय की गई है। विदित रहे कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक माह की 9, 10 व 23 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती महिलाओं की निशुल्क जांच की जाती है। इस दौरान गर्भवती महिलाओं की सभी प्रकार की जांच व दवाओं की सुविधा निशुल्क प्रदान किए जाने का प्रावधान है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग द्वारा नगर के ओम अल्ट्रासाउंड केंद्र को अल्ट्रासाउंड जांच के लिए लिंक किया गया है।

चिकित्सकों की मनमानी पर लगेगी रोकः

बता दें कि उप नागरिक अस्पताल में आने वाली गर्भवती महिलाओं को चिकित्सकों द्वारा अल्ट्रासाउंड जांच के लिए चहेते निजी केंद्रों पर भेजा जाता था। जहां अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए गर्भवती महिलाओं को धक्के खाने पड़ते थे वहीं उनसे निजी केंद्र 800 से 1000 रुपये तक वसूल करते थे। ऐसे में नगर के एक निजी अस्पताल में बने अल्ट्रासाउंड केंद्र के साथ अस्पताल के चिकित्सकों की सांठगांठ के आरोप भी लग चुके है। आरोप था कि यदि कोई महिला किसी अन्य केंद्र से अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट लेकर आती थी तो उसे रिपोर्ट क्लीयर न होने की बात कहते हुए चिकित्सक द्वारा चहेते अल्ट्रासाउंड केंद्र से रिपोर्ट लेने के लिए मजबूर किया जाता था जिस कारण मरीज को आर्थिक नुकसान वहन करना पड़ता था। स्वास्थ्य विभाग के इस प्रयास से गर्भवती महिलाओं को चिकित्सकों की मनमानी से निजात मिलेगी वहीं उनके समय व धन की बचत होने से फायदा होगा। क्षेत्रवासियों ने इसके लिए स्वास्थ्य विभाग का आभार जताया है। जिन सरकारी अस्पतालों या सीएचसी-पीएचसी पर अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं मिल पाती, उन मरीजों को अब परेशान होने की जरूरत नहीं है।

अनाज मंडी में सूरजमुखी की आवक तेज, सरकारी खरीद न होने से किसान परेशान

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 20 मई। अनाज मंडी में सूरजमुखी की फसल की आवक में एकायक तेजी देखने को मिल रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 5 दिन पूर्व प्रारंभ हुई सूरजमुखी की आवक में अब गत 3 दिन से प्रतिदिन फसल की 50 से 55 ट्रालियों का मंडी में आगमन हो रहा है। ऐसे में सरकारी खरीद न होने से किसानों की परेशानियां भी निरंतर बढ़ती जा रही है। अनाज मंडी में अपनी सूरजमुखी की फसल लेकर आए गांव पाडलू के किसान महल सिंह

व अवतार सिंह, नगला के किसान गुरप्रीत सिंह, नायब सिंह, बख्शीश सिंह व रविंद्र सिंह, झरौली के किसान संतोख सिंह, रावा के किसान रणजोध सिंह, काहनगढ़ के किसान बघेल सिंह व मक्खन सिंह तथा मद्दीपुर के किसान गुरदेव सिंह व जरनैल सिंह सरपंच ने बताया कि सूरजमुखी की सरकारी खरीद ना होने से किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है क्योंकि आज की तारीख में उनकी फसल पक कर तैयार होकर मंडी में पहुंच चुकी है। खरीद ना होने की वजह से किसान अपनी फसल को मंडी में सुखा कर वापस ले जाने को मजबूर है। किसानों ने बताया कि एक बार फसल को मंडी में लेकर आना, पंखा आदि लगवा कर फसल को वापिस लेकर जाना और खरीद शुरू होने पर पुनः फसल को मंडी में लाकर सुखाने में किस को 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल का अतिरिक्त खर्च बहन करना पड़ रहा है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने मई-जून 2025 के दौरान उत्तर भारत में अपने सभी डीलरशिप पर 'मेगा समर सेलिब्रेशन' की घोषणा की

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

फरीदाबाद, 20 मई। बिक्री, सर्विस, पुरानी कार, एक्सेसरीज और अन्य पर आकर्षक ऑफर! इस मौसम में अपने 'मेगा समर सेलिब्रेशन' की शुरूआत कर-के टोयोटा गर्मी बढ़ा रही है। यह उत्तर भारत में सभी अधिकृत टोयोटा डीलरशिप पर एक पहल है। नई कार खरीदने की योजना हो, मौजूदा कार की सर्विस करानी हो, प्रमाणित पुरानी कारों को देखना हो या वाहन एक्सेसरीज को अपग्रेड करना हो, यह ग्राहक के लिए डील का लाभ उठाने का मौका है!

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज अपने 'मेगा समर सेलिब्रेशन' की शुरूआत की घोषणा की। इसमें कई बेहतरीन ऑफर शामिल हैं। अपने "ग्राहक-प्रथम" दर्शन पर कायम रहते हुए, इस अभियान का उद्देश्य नई टोयोटा कारों, टोयोटा कार सर्विस और पुरानी कारों की खरीद पर ग्राहकों को गर्मियों के महीनों में मूल्य प्रदान करना है * । मेगा समर सेलिब्रेशन एनसीआर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, जम्मू और कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश में टोयोटा की अधिकृत डीलरशिप पर उपलब्ध है और मई से जून 2025 तक चलेगा।

अभियान के बारे में बताते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के वाइस प्रेसिडेंट और मुख्य प्रतिनिधि झ उत्तर क्षेत्र, बिक्री-सेवा-प्रयुक्त कार, श्री सबरी मनोहर ने कहा, "अपने 'ग्राहक-प्रथम' दर्शन के साथ, हम अपने मूल्यवान ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ग्राहकों से मिली जानकारी के आधार पर, हमने अधिकृत टोयोटा डीलरशिप से नई कारों और पुरानी कारों की खरीद के लिए शानदार समर स्कीम तैयार की है। हमारे कस्टमाइज्ड स्पेशल सर्विस वैल्यू पैकेज आपकी कार को कूल और सड़क पर चलने के लिए तैयार रखेंगे। हमें विश्वास है कि यह अभियान स्वामित्व की संतुष्टि को बढ़ाएगा और टोयोटा वाहन चलाने के आनंद को मजबूत करेगा।"

इन पेशकशों के अलावा, हम ग्राहकों को गर्मियों के दौरान अपने वाहन के प्रदर्शन को बनाए रखने के लिए सरल कार देखभाल उपाय करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इनमें टायर और बैटरी के स्वास्थ्य का निरीक्षण करना, रबर के पुर्जों की जाँच करना और जरूरत पड़ने पर उन्हें बदलना, कार कवर या सनशेड का उपयोग करना और समय पर सर्विसिंग सुनिश्चित करना शामिल है। हम सुरक्षित पार्किंग व्यवहार की भी सलाह देते हैं, जैसे कि सूखे पत्ते, कचरे के ढेर आदि के पास के क्षेत्रों से बचना। अतिरिक्त आराम और सुविधा के लिए, चलते समय कार में पीने का पानी, वेट वाइप्स और छाता जैसी आवश्यक चीजें रखने की सलाह दी जाती है।

बोर्ड परीक्षा में नलवी स्कूल के छात्रों की चमक, दसवीं और बारहवीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरियाणा वाटिका/एकजोत

शाहाबाद मारकंडा, 20 मई। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा हाल ही में घोषित दसवीं व बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नलवी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रधानाचार्य शमा मोहल ने बताया कि कॉमर्स संकाय में मानसी पुत्री साहब सिंह ने 432 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जबकि प्रिया कश्यप पुत्री रवि कुमार ने 417 अंक लेकर द्वितीय तथा मनदीप कौर पुत्री तरसेम सिंह ने 402 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह आर्ट्स संकाय में रजनी पुत्री गुरमीत सिंह ने 398 अंक लेकर प्रथम, मुस्कान पुत्री राज कुमार ने 397 अंक लेकर द्वितीय तथा रेणुका पुत्री बलकार सिंह ने 393 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस संकाय में भी 10 छात्रों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। दसवीं कक्षा का परिणाम भी अत्यंत सराहनीय रहा, जिसमें विद्यालय का कुल परिणाम 93.33% रहा। आरती ने 414 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, सपना ने 413 अंक लेकर द्वितीय तथा जोया खातून ने 409 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस कक्षा में 10 छात्रों ने 75% से अधिक तथा 30 छात्रों ने 60% से 75% अंक प्राप्त किए। प्रधानाचार्या ने इस उत्कृष्ट परिणाम के लिए सभी शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता सभी के सामूहिक प्रयासों और मेहनत का परिणाम है। इस अवसर पर शिक्षक हरविंद्र सिंह, निशा चौहान, तरसेम लाल, बीरेंद्र सिंह, नरेंद्र, राम कुमार, शेर सिंह, गुलशन रानी, विकास शर्मा, रेणु बाला, अनार सिंह, महिपाल, अक्षिता, बलराज, शिष्टी, मनीष कुमार, अशोक, उमंग गांधी, आरती गर्ग, संदीप, भूषण, मान सिंह, शशि भूषण, हेमराज, अनु व मान सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे।

कुवि ने घोषित किए 12 परीक्षाओं के परिणाम

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 20 मई। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में परीक्षा शाखा द्वारा 12 परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि दिसम्बर 2024 में आयोजित एम.एससी. (आनर्स) अर्थशास्त्र प्रथम सेमेस्टर,. एमसीए प्रथम सेमेस्टर (रि-अपीयर), एमसीए तृतीय सेमेस्टर पुराना एनईपी (रि-अपीयर), बी.एससी. तीसरा सेमेस्टर ओल्ड एनईपी (रि-अपीयर), बी.टेक 7वां सेमेस्टर (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एससी),बी.टेक. 7वां सेमेस्टर (साइबर सुरक्षा), बी.टेक. 7वां सेमेस्टर (बायो-टेक.), बी.टेक. 7वाँ सेमेस्टर सूचना प्रौद्योगिकी, बीएएलएलबी (आनर्स) 7वां सेमेस्टर, बीटीटीएम प्रथम सेमेस्टर (रि-अपीयर) एनईपी, बीटीटीएम प्रथम सेमेस्टर (फ्रेश) एनईपी तथा बीएफए 5वां सेमेस्टर (रि-अपीयर) सीबीसीएस परीक्षाओं परिणाम घोषित किए गए हैं।

स्टूडेंट्स ने सैमसंग की पहल सॉल्व फॉर टुमॉरो 2025 के लिए रजिस्टर किया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
सोनीपत, 20 मई। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग अपनी प्रमुख सीएसआर पहल ह्यसॉल्व फॉर टुमॉरोह्ल के जरिए युवा स्टूडेंट्स को भविष्य के टेक उद्यमी और सामाजिक बदलाव लाने वाले बनने में मदद कर रहा है। दिल्ली एनसीआर और हरियाणा के स्कूलों-कॉलेजों में जनरेशन जी के युवाओं के बीच इस पहल के लिए रजिस्ट्रेशन तेजी से बढ़ रहा है। भारत भर के स्कूलों और कॉलेजों में आयोजित इंटरैक्टिव डिजाइन थिंकिंग वर्कशॉप और ओपन हाउस सत्रों के माध्यम से, सैमसंग कक्षा में होने वाली पढ़ाई को व्यावहारिक समस्या-समाधान दृष्टिकोण से प्रभावी ढंग से जोड़ रहा है। स्टूडेंट्स समाधान की अवधारणा से आगे बढ़कर प्रोटोटाइप बना रहे हैं, विशेषज्ञों के सामने अपने विचार प्रस्तुत कर रहे हैं, और उद्यमिता की चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। नई दिल्ली, गुरुग्राम और सोनीपत जैसे शहरों में पहले से ही रोडशो शुरू हो चुके हैं, इस पहल ने शैक्षणिक संस्थानों से हजारों स्टूडेंट्स को सफलतापूर्वक जोड़ा है, और इसकी योजना पूर्वोत्तर राज्यों सहित अन्य राज्यों में विस्तार करने की है। स्टूडेंट्स नए-नए, समुदाय-केंद्रित आइडियाज लेकर आ रहे हैं जो स्वास्थ्य, शिक्षा, सस्टेनेबिलिटी और सामाजिक समानता जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण वास्तविक समस्याओं का समाधान करते हैं। कई प्रतिभागियों के लिए, ये सत्र समस्या-समाधान पद्धतियों, मेंटरशिप और उद्यमशीलता मानसिकता विकास के साथ उनका पहला संरचित अनुभव प्रदान करते हैं।

इस वर्ष, प्रतिभागियों को चार प्रमुख थीम्स के तहत समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है: सुरक्षित, स्मार्ट और समावेशी भारत के लिए एआई; भारत में स्वास्थ्य, स्वच्छता और कल्याण का भविष्य; खेल और शिक्षा व बेहतर भविष्य के लिए तकनीक के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन; और तकनीक के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता। आवेदन जमा होने के बाद, 100 टीमों- प्रत्येक थीम के लिए 25 टीमें- को विषय विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन मेंटरिंग के लिए चुना जाएगा। इसके बाद ये टीमें वीडियो पिच राउंड में प्रवेश करेंगी, जिसमें से शीर्ष 40 टीमें चुनी जाएंगी। हजारों स्टूडेंट्स की बढ़ती भागीदारी और छोटे शहरों में इसके तेजी से विस्तार के साथ, सॉल्व फॉर टुमॉरो एक राष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित हो रहा है। यह जमीनी स्तर पर नवाचार और युवा-प्रेरित बदलाव को बढ़ावा देता है। आवेदन की समय सीमा 30 जून, 2025 तक भारत भर के स्कूल और कॉलेज स्टूडेंट्स के लिए खुली है।

वी ने लॉन्च किया नया कैंपेन: 6 महीनों में 1,00,000 से अधिक टॉवर्स के एडिशन को किया हाईलाईट

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
हिसार, 20 मई। भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने आज वित्तीय

वर्ष 24-25 के 6 महीनों के दौरान देश भर में 1,00,000 से अधिक टावर्स शामिल करने की उल्लेखनीय उपलब्धि का जश्न मनाते हुए अपने नए कैंपेन का अनावरण किया। यह उपलब्धि नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने तथ नेटवर्क का पैमाना और स्पीड बढ़ाने की वी की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

बड़े ही रोमांचक एवं मनोरंजक अदांज में अपने नेटवर्क विस्तार पर रोशनी डालते हुए यह कैंपेन वी के नए नेटवर्क अवतार- द नेटीज लेकर आया है- एनीमेटेड कैरेक्टर्स का यह सेट मोबाइल टावर्स से प्रेरित है। आईपीएल के उत्साह के बीच ये अवतार क्रिकेट खिलाड़ियों की डायनामिक टीम के रूप में पेश किए गए हैं, सीजन की सबसे मजबूत टीम का प्रतीक हैं। मस्ती और जोश से भरपूर यह टीम यादगार तरीके से नेटवर्क क्रेडेन्शियल्स को जीवंत करते हुए वी के विकसित होते नेटवर्क की क्षमता, पैमाने और फुर्ती का प्रतिनिधित्व करती है। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अवनीश खोसला, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, वी ने कहा, हमारे नेटवर्क का विस्तार सिर्फ पैमाने के बारे में नहीं है बल्कि स्मार्ट और स्ट्रैटेजिक डिप्लॉयमेन्ट के बारे में भी है। ज्यादा भीड़भाड़ वाले इलाकों को प्राथमिकता देकर, अपनी स्पैक्ट्रम दक्षता का लाभ उठाकर और गुणवत्तापूर्ण इंडोर अनुभव पर फोकस कर हम भविष्य के लिए तैयार उच्च परफोर्मेन्स वाला नेटवर्क उपलब्ध कराते हैं। छह महीनों में एक लाख टॉवर शामिल करना और सर्वश्रेष्ठ 4ॠ अनुभव के लिए मान्यता मिलना निरंतर उच्च गुणवत्ता की कनेक्टिविटी के साथ उपभोक्ताओं को बेजोड़ सेवाएं प्रदान करने की वी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

हाल ही के महीनों में वी ने अपने नेटवर्क के विस्तार में तेजी से प्रगति की है। इसने मुंबई, चण्डीगढ़ और पटना में 5ॠ सेवाओं का लॉन्च किया और जल्द ही दिल्ली एवं बैंगलोर में भी लॉन्च के लिए तैयार है। साथ ही वी ने 900 टल्ए, 1800 टल्ए, 2100 टल्ए, 2300 टल्ए स्पैक्ट्रम बैण्ड्स पर नए टॉवर्स एवं अपग्रेड्स के माध्यम से क्षमता और कवरेज बढ़ाते हुए अपने 4ॠ नेटवर्क को भी मजबूत बनाया है। इस विस्तार के परिणामस्वरूप उपभोक्ता बेहतर इंडोर एवं आउटडोर कवरेज, फास्ट डेटा स्पीड एवं व्यापक सर्विस फुटप्रिन्ट का लाभ उठा सकते हैं- 4ॠ का सशक्त अनुभव अब 1.07 बिलियन उपभोक्ताओं तक पहुंच गया है।

आधा दर्जन से अधिक लघु फिल्मों में अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं पवन कुमार वर्मा

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 20 मई। निकटवर्ती गांव बिशनगढ़ निवासी पवन कुमार वर्मा उभरते कलाकार हैं। उनकी सामाजिक संदेश पर आधारित लगभग 9 लघु फिल्मे सोशल प्लेटफार्म पर आ चुकी हैं। लगभग 63 वर्ष की उम्र के बावजूद उनका जज्बा किसी युवा से कम नहीं। वर्मा अपने स्व. पिता नराता राम वर्मा और मां तारा देवी के आशीर्वाद से सोशल मीडिया पर जल्द अपना एंटरटेनमेंट यूट्यूब चैनल शुरू करने जा रहे हैं। इनके लोकप्रिय प्रोजेक्ट लड़ाई की जड़, चाइना डोर, मास्क, कोरोना काल, वैद रगडू राम, रघडू राम की दवाई, तेरे ढुंगे ने बनाया भिखारी, वर्मा के रसगुल्ले, बाप का लाइसेंस, यह कैसा नशा व हंसी के गोल गप्पे शानदार चल रहे हैं। वहीं एक दर्जन के करीब सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक प्रोजेक्ट तैयार हैं। पवन वर्मा का कहना है कि कुरुक्षेत्र के फिल्म निमार्ता निर्देशक और कलाकार चंद्र अग्रवाल उनके मार्गदर्शक हैं, जिनकी प्रेरणा से वे जल्द ही बड़ा प्रोजेक्ट करेंगे और इसके लिए मुंबई से आए बॉलीवुड बाल कलाकार अयान खान व अभिनेता निर्देशक गोपाल उर्फ हसन अली से भी उनकी मुलाकात हुई है। पवन वर्मा ने बताया कि वे लगातार समाज मे फैली कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता लाने के उद्देश्य से नाटक रूपी संदेश बनाते रहें है और भविष्य में भी बनाते रहेंगे, ताकि समाज को मनोरंजक रूप से जागरूक किया जा सके।

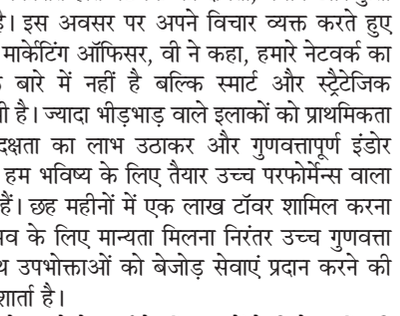

बबीता देवी चुनी गई एमपीएचई एसोसिएशन लोहारू खंड की प्रधान, मंदीप कुमार बने सचिव

एमपीएचई एसोसिएशन की लोहारू खंड कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
लोहारू, 20 मई। मंगलवार को नगर स्थित उप नागरिक अस्पताल परिसर में एमपीएचई एसोसिएशन की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एसोसिएशन की राज्य प्रधान शर्मिला देवी उपस्थित रही तथा लोहारू खंड की नई कार्यकारिणी का गठन करने बारे विचार विमर्श किया गया। मंच संचालन अजय दहिया द्वारा किया गया। इस दौरान विचार विमर्श उपरांत सर्वसम्मति से एमपीएचई एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बबीता देवी को सर्वसम्मति से एसोसिएशन का लोहारू खंड का प्रधान चुना गया जबकि मंदीप कुमार को सचिव चुना गया। वहीं नीरज देवी को उपप्रधान, मनीष कुमार को कोषाध्यक्ष, राजेंद्र को सहसचिव चुना गया। प्रेस सचिव की जिम्मेवारी अजय कुमार को दी गई तथा सुमेर सिंह को मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया। चुनाव के बाद नवनियुक्त खंड कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई।

जिला प्रधान रविंद्र धोनी ने नई कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए कहा कि लोहारू खंड की कार्यकारिणी पूरी एकजुटता के साथ एसोसिएशन को मजबूती प्रदान करने के लिए कार्य करें ताकि एसोसिएशन द्वारा उनकी लंबित मांगों को पूरा करवाने के लिए जोरदार पैरवी की जा सके। राज्य प्रधान शर्मिला देवी ने कहा कि एसोसिएशन का प्रयास है कि सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा कराया जाए, इसके लिए एसोसिएशन प्रयास कर रही है। किसी भी एमपीएचई एसोसिएशन के सदस्य को किसी प्रकार की परेशानी है तो वह उसे एसोसिएशन के समक्ष रख सकता है, उसका हर संभव समाधान करवाया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों की मांगों व समस्याओं को भी सुना तथा जल्द समाधान का आश्वासन दिया। नवनियुक्त कार्यकारिणी पदाधिकारियों ने एसोसिएशन का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी गई है वे उसका पूरी कर्तव्य निष्ठा से निर्वहन करेंगे तथा एसोसिएशन को मजबूती प्रदान करेंगे। इस दौरान लोहारू सीएचसी के अंतर्गत सभी एमपीएचएच व एमपीएचडब्ल्यू मौजूद रहे।

एक निजी अस्पताल का कारनामा :- 11 फिट चौड़े बहते सरकारी नाले पर खड़ी कर दी बहुमंजिला इमारत

हिसार संघर्ष समिति ने उठाई जांच व सरकारी जमीन से कब्जा हटाकर बिल्डिंग गिराने की मांग

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 20 मई। तोशाम रोड स्थित एक निजी अस्पताल के संचालकों ने 8वें अजूबे के रूप में एक नया कारनामा किया है जिसमें उसने बालसमंद नहर से किसानों के खेतों को पानी ले जाने वाले 11 फिट चौड़े सरकारी नाले पर बहुमंजिला इमारत खड़ी कर दी है।

हिसार संघर्ष समिति के अध्यक्ष जितेंद्र श्योराण ने बताया कि इतने बड़े अस्पताल की इतनी बड़ी अनियमितता और कब्जे की कार्यवाही निंदनीय एवं शर्मनाक है। यह बहुत बड़ा जांच का विषय है कि सरकारी नाले पर इतनी बड़ी इमारत खड़ी करने की हिम्मत अस्पताल की कैसे हुई और इसकी परमिशन उसने किससे ली। जितेंद्र

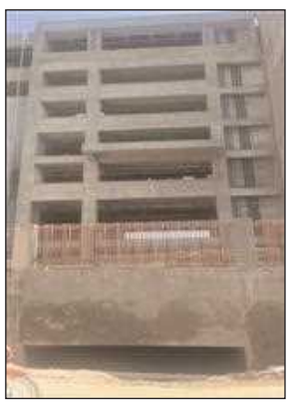

श्योराण ने बताया कि इस संबंध में जब विभाग के अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने कहा कि अस्पताल ने इस बारे में कोई परमिशन नहीं ली है और यदि सरकारी पानी के नाले पर इमारत खड़ी गई है तो यह गलत है। शिकायत पर कार्यवाह की जाएगी। इस पर जितेंद्र श्योराण ने इसकी शिकायत प्रशासन को करते हुए कहा कि शासन-प्रशासन को इस पर तुरंत संज्ञान लेना चाहिए। एक तरफ तो शहर की सरकार शहर में अतिक्रमण हटाने के लिए गरीबों की रोजी-रोटी छीन रही है वहीं शासन-प्रशासन की नाक के नीचे एक अस्पताल सरकारी जमीन पर इतनी बड़ी बिल्डिंग खड़ी कर लेता है उसकी ओर से वह आंखें मूंदे हुए है। जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा गरीबों के आशियानों व उनके ठिकानों को तोड़ा जाता है उसी प्रकार से अस्पताल की बिल्डिंग पर कार्यवाही करते हुए इसे ढहाया जाना चाहिए ताकि भविष्य में कोई और ऐसा न कर पाए।

श्योराण ने कहा कि अस्पताल ने नैतिकता की सारी हदें पार करते हुए इतनी कमाई होते हुए भी केवल अपना स्वार्थ व लालच देखते हुए गरीब किसानों के हक की जमीन पर कब्जा करके सरकारी नाले के ऊपर अवैध निर्माण कर इतनी बड़ी बिल्डिंग खड़ी की है। शासन-प्रशासन इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए दोषियों पर कार्यवाही करे और इस अवैध निर्माण को तुरंत गिराने का काम करे। इस मौके पर जितेंद्र श्योराण के साथ मनविंद्र सेठी, प्रियकांत शर्मा तथा किसान मुकेश बिश्नोई, प्रेम, जयदेव, प्रियकांत शर्मा, इंदर, लाल सिंह, विजय, रोहताश डाबड़ा व सतवीर आदि मौजूद थे।

गर्मी के बीच तरबूज बना लोगों की पहली पसंद- बाजार में 10 से 15 रुपये किलो बिक रहा है तरबूज

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
लोहारू, 20 मई। मई माह के दूसरे पखवाड़े में गर्मी के तेवरों के कारण लोगों की दिनचर्या के साथ-साथ उनके खानपान में भी बदलाव आ गया है। गर्मी व तेज धूप में हर इंसान अपनी प्यास बुझाने के लिए किसी न किसी शीतल पेयजल का सहारा ले रहे है तथा गन्ने का रस, मौसमी व आम का जूस तथा कोल्ड ड्रिंक आदि की मांग भी बढ़ी है। लेकिन इस गर्मी के मौसम में सबसे अधिक खाया जाने वाला व लाभकारी फल तरबूज लोगों की पहली पसंद बना हुआ है। रोजाना तापमान में वृद्धि के कारण गर्मी बढ़ती जा रही है, लेकिन इस बार मंडी में अभी तक तरबूज की आवक कम होने से इसके भाव ज्यादा है वहीं साथ ही मिठास व जायका भी कम है। ऐसे में शौकीन लोग स्वाद नहीं ले पा रहे। बताया जा रहा है कि तरबूज को जल्द तैयार करने के लिए केमिकलों व इंजेक्शन का सहारा लिया जा रहा है। जिस कारण ये जल्दी पक जाते है तथा इनका स्वाद गायब हो जाता है। गर्मी के दौरान तरबूज की मांग बढ़ जाती है, क्योंकि यह शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में फायदेमंद रहता है। इसके खाने से आयरन व कैल्शियम के साथ दिमाग को ताजगी मिलती है। इस बार गांवों की सेंचुरी में बोया जाने वाला तरबूज भी बाजार में अपनी रौनक बिखेर रहा है लेकिन सेंचुरी के तरबूज के भाव 15 से 20 रुपये प्रति किलो है वहीं देशी तरबूज 10 से 15 रुपये प्रति किलो ही बिक रहा है। तरबूज बेचने वाले दुकानदारों की माने तो प्रतिदिन तरबूज की खपत चार से पांच क्विंटल तक हो रही है। उन्होंने बताया कि लोग तरबूज को खाना अधिक पसंद करते है, क्योंकि यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पौष्टिक व विटामिन से भरा हुआ होता है, जो शरीर में ठंडक लाने के साथ-साथ गर्मी से राहत प्रदान करता है। इस मौसम में तरबूज की बिक्री सबसे अधिक हो रही है तथा लोग तरबूज खरीद रहे है। सुबह से लेकर शाम तक तरबूज की बिक्री रहती है। उन्होंने बताया कि अबकी बार तरबूज की बंपर पैदावार हुई तो मिठास व जायका कम है परंतु लोग इसकी जमकर खरीदारी कर रहे हैं। उनका मानना है कि यदि जून माह में लू के साथ तेज गर्मी पड़ेगी तो मिठास व जायका बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि जहां तरबूज एक तरफ प्यास बुझाता है तो दूसरी तरफ यह गर्मी में होने वाली बीमारियों से भी बचाता है। इसलिए लोग गर्मी में तरबूज खाना ज्यादा पसंद करते है आजकल लोगों में तरबूज का क्रेज भी ज्यादा बढ़ रहा है।

आयरन व कैल्शियम से भरपूर है तरबूजः-

तरबूज के गुणों पर चिकित्सकों ने बताया कि इसमें आयरन व कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है। गर्मी में तरबूज शरीर में पानी की कमी दूर करता है तो साथ दिमाग को तरोताजा रखता है। तरबूज जल्द पच भी जल्द जाता है। इसका सेवन करने से कई फायदे भी है तो नुकसान भी है। यदि तरबूज खराब व कई दिन पुराना है तो पेट के रोग जैसे हैजा, दस्त व उल्टी आदि की शिकायत बन जाती है।

बारहवीं व दसवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
इस्माईलाबाद, 20 मई। गुरु नानक विद्या भवन स्कूल में हरियाणा बोर्ड की बारहवीं व दसवीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जानकारी देते हुए स्कूल के प्रधानाचार्य सुखविंदर सिंह ने बताया कि बारहवीं कक्षा में 17 विद्यार्थी थे। जिसमें सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी से परीक्षा पास की है। सात विद्यार्थियों ने मेरिट में स्थान प्राप्त किया है। नमन ने प्रथम, हरप्रीत कौर ने दूसरा तथा रिया शर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं दसवीं कक्षा में 22 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। जिसमें से सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में पास हुए है। दो बच्चों ने मेरिट में स्थान प्राप्त किया है। सुमन ने प्रथम, सुखप्रीत ने दूसरा तथा जाह्नवी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्कूल के चेयरमैन हरनिमरत सिंह ने कहा कि स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। यह अध्यापकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है। स्कूल प्रधान परमजीत सिंह व मैनेजर सुरेंद्र सिंह ने कहा कि स्कूल में शिक्षा के साथ साथ बच्चों को खेल क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के गुर सिखाए जाते है। मेधावी बच्चों को प्रबंधक कमेटी द्वारा सम्मानित भी किया गया।

जासूसी की आरोपी यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के खुलने लगे राज

भारत की सीमाओं से सटे देशों के सैरसपाटे की गतिविधियों को खंगाल रही जांच एजेंसी

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 20 मई। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में पकड़ी गई हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को कल बुधवार को पांच दिन के रिमांड के बाद अदालत में पेश किया जाएगा। फिलहाल ज्योति मल्होत्रा जांच एजेंसी की पूछताछ के घेरे में हैं।

अभी तक पुलिस की पूछताछ में ज्योति मल्होत्र ने कई चौकाने वाली जानकारी दी हैं। हालांकि रिमांड के दौरान शुरूआत में सवालों पर ज्योति मल्होत्रा बेहद सतर्कता से जवाब दे रही थी। अभी तक की जांच में यह भी सामने आया है कि ज्योति मल्होत्रा से पाकिस्तान में कई लोगों से लगातार संपर्क रहा है।

यह भी पाया गया है कि पाकिस्तान उच्च आयोग में रहे दानिश के संपर्क के बाद ही ज्योति मल्होत्रा को पाकिस्तान का वीजा मिलने व वहां पर वीआईपी ट्रीटमेंट मिला। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से जुड़ा है। जांच कर रही पुलिस के सामने आया है कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शेष पॉल वैद्य ने एक नया खुलासा किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, क्या यह महज एक संयोग है कि पाकिस्तानी उच्चायोग के कर्मचारी (संभवतः आईएसआई एजेंट) दानिश से हनी ट्रैप की शिकार हुई यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा जनवरी 2025 में पहलगाम गई थी? बताया जा रहा है कि वह आईएसआई हैंडलर्स को संवेदनशील जानकारी दे रही थी। उन्होंने आगे कहा, हमारी खुफिया एजेंसियां आमतौर पर उन लोगों पर नजर रखती हैं जो पाकिस्तान, चीन और अब बांग्लादेश जैसे दुश्मन देशों या उच्चायोगों का अक्सर दौरा करते हैं। इसके अलावा, यह भी

पता चला है कि ज्योति को पाकिस्तानी उच्चायोग के एक कर्मचारी दानिश ने हनी ट्रैप में फंसाया था। माना जा रहा है कि दानिश पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) से जुड़ा है।

अटैक से पहले पहलगाम क्यों गई थी ज्योति

हिसार के एसपी शशांक कुमार सावन ने कहा कि यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा पहलगाम हमले से पहले पाकिस्तान गई थी। वह चीन की भी यात्रा कर चुकी थी। एसपी के अनुसार पीआईओ यानी पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव उसे अपना एजेंट बनाने के लिए तैयार कर रहे थे।

उन्होंने खुलासा किया कि ज्योति मल्होत्रा कई बार पाकिस्तान जा चुकी है। इसमें पहलगाम टेटर अटैक से पहले की एक यात्रा भी शामिल है। इसके अलावा वह चीन की भी यात्रा कर चुकी है। चीन की यात्रा का मकसद जानने के लिए पुलिस पूछताछ कर रही है। एसपी सावन के अनुसार केंद्रीय एजेंसियों के साथ कॉर्डिनेशन में हरियाणा पुलिस ज्योति मल्होत्रा से पूछताछ कर रही है। हम उसकी आय के स्रोतों का पता लगाने के लिए उसके वित्तीय लेनदेन और ट्रैवल हिस्ट्री का विश्लेषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उसकी ज्ञात आय के स्रोत उसकी विदेश यात्रा से मेल नहीं खा रही हैं। हमें बाहरी फंडिंग की आशंका है। कहने को वह केवल एक ट्रैवल ब्लॉगर थी। एसपी ने कन्फर्म किया कि ज्योति मल्होत्रा का पीआईओ के साथ सीधा संपर्क था।

भारत से बॉर्डर शेयर करने वाले हर देश में गई

ज्योति ने एक साल के भीतर जितने भी ट्रैवल ब्लॉग बनाए हैं, उनमें उसका फोकस उन्हीं देशों पर रहा जिनकी बाउंड्री भारत के साथ लगती है। पाकिस्तान से लौटने के तुरंत बाद वह चीन, भूटान, नेपाल गई। यहां पर कई वीडियो बनाए। थाइलैंड के दौरे पर भारतीय समाज के लिहाज से उसने कई आपत्तिजनक वीडियो भी बनाए हैं। ज्योति जिन जगहों पर गई उनमें पहलगाम के अलावा गुलमर्ग, डल लेक, लद्दाख की पैंगॉन्ग लेक तक शामिल हैं। पैंगॉन्ग इलाका चीन से लगी लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल से सटा है। ज्योति पहली बार साल 2024 और फिर इसी साल 5 जनवरी 2025 को 2 बार कश्मीर घूमने गई थी। उसने अपने वीडियो में पंजाब और राजस्थान के बॉर्डर भी दिखाए। इनमें अटारी-बाघा और राजस्थान के थार शामिल हैं। उसने यूट्यूब पर जो वीडियो शेयर किए उनमें फेंसिंग तक दिखा दी। हिसार पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि मार्च में वह पाकिस्तान गई। ऐसे में उस पर शक गहराता जा रहा है कि वह कश्मीर और बॉर्डर स्टेट में ट्रैवलिंग के लिए गई थी या फिर पाकिस्तान की जासूसी करने के लिए पहुंची थी। जिसे उसने पाक खुफिया एजेंसी तक पहुंचाया।

पाकिस्तान जाने के लिए सबसे अधिक रही रूचि

पिछले साल 2024 में ज्योति पाकिस्तान गई थी। उसके यूट्यूब चैनल ट्रैवल विद जो में उसने इनकी जानकारी दी। 10 दिन का वीजा लगने के बाद वह काफी खुश दिखी। पाकिस्तान जाने से पहले उसने अमृतसर में श्री दरबार साहिब में माथा टेका। इसके बाद बाहर बने कॉरिडोर में वीडियो शूट कर बताया कि उसका 10 दिन का पाकिस्तान का वीजा लगा है। एक साल की मेहनत के बाद ये वीजा मिल पाया है। ज्योति ने वीडियो में बताया कि अब वह पाकिस्तान जाकर लाहौर और वहां की लाइफ दिखाने वाली है।

ज्योति का इंस्टाग्राम अकाउंट किया बैन

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाली हरियाणा के हिसार की यूट्यूबर का इंस्टाग्राम अकाउंट बैन कर दिया गया है। वहीं हिसार पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि पहलगाम आतंकी हमले से पहले ज्योति कश्मीर गई थी। यहां वह उन सब जगहों पर गई, जो आतंकियों के निशाने पर रहती हैं। इसकी पुष्टि उन वीडियो से हो रही है, जो उसने अपने

लिटल मिलेनियम में इमर्जिंग विंग्स कक्षा के नन्हे बच्चों ने मनाया ग्रीन डे

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 20 मई। लिटिल मिलेनियम स्कूल, सेक्टर-3 में इमर्जिंग विंग्स कक्षा के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ ग्रीन डे मनाया। बच्चों ने हरे रंग की पोशाक पहनकर और हरे रंग की वस्तुएं लेकर इस दिन को खास बनाया। कक्षा को भी हरियाली की थीम पर सजाया गया था, जिससे एक आनंददायक और प्राकृतिक माहौल बना। इस अवसर पर शिक्षिका ईशिका ने बच्चों को हरे रंग का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि हरा रंग जीवन, शांति, ताजगी और प्रकृति का प्रतीक है। यह रंग हमें पेड़-पौधों, सब्जियों, पत्तियों और कई दैनिक जीवन की वस्तुओं में दिखाई देता है और लर्निंग के लिए प्रेरित करता हैं। बच्चों ने इस दिन कई रोचक गतिविधियों में भाग लिया, जैसेः हरे रंग की वस्तुओं की पहचान करना, फिंगर पेंटिंग से पेड़ बनाना, हरे रंग की ड्राइंग करना, गो ग्रीन थीम पर कविता और गीत, हरी सब्जियों की पहचान और उनके फायदे जानना, हरे गुब्बारों और सजावट से खेलना। इस अवसर पर ज्योति खनेजा ने बच्चों को प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहा कि हरा रंग हमें प्रकृति की सुंदरता और जीवन की ताजगी का अहसास कराता है। पेड़-पौधों को बचाना और अधिक वृक्षारोपण करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। हमें बच्चों को शुरूआत से ही पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक बनाना चाहिए। हरा रंग संतुलित और तनाव मुक्त वातावरण बनता है। बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था। इस आयोजन ने बच्चों को न केवल रंगों की पहचान करवाई बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित की।

एवरेस्ट इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में भारतीय कराटे खिलाड़ी रोहित लांबा ने जीता गोल्ड मेडल

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो
बहल, 19 मई। नेपाल के शहर काठमांडू में खेली गई 11वीं एमटी. एवरेस्ट इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप का स्वर्ण तमगा भारतीय कराटे खिलाड़ी रोहित लांबा ने हासिल किया है। कराटे बाज रोहित लांबा ने बंगलादेश, मलेशिया व मेजबान नेपाली खिलाड़ी पर शानदार पेंच वारों की बदौलत गोल्ड मेडल हासिल किया है। यह चैंपियनशिप नेपाल शितो-रयू कराटे संघ द्वारा नेपाल ओलंपिक समिति के दक्षिण एशियाई कराटे महासंघ के द्वारा नेपाल कराटे महासंघ के तत्वावधान में काठमांडू में 16 व 19 मई को आयोजित की गई है। चैंपियनशिप में करीब 10 देशों कराटे खिलाड़ियों ने भाग लिया था। जिसमें कस्बे के होनहार युवा रोहित लांबा ने अंतरराष्ट्रीय सरजमीं पर अंतरराष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी को परास्त कर विदेशी धरती पर पहला गोल्ड मेडल जीतकर भारत का तिरंगा लहराया है।

रोहित लांबा ने इससे पूर्व की विदेशी चैंपियनशिप में खेलकर दो गोल्ड, सिल्वर व कांस्य पदक जीत चूका है। परंतु यह मुकाबले स्वदेशी सरजमीं पर खेले थे। स्वर्ण पदक जीत का जश्न रोहित लांबा के गांव मिठ्ठी से कस्बे बहल तक देखा जा सकता है और रोहित के परिजनों को बधाई संदेश देने वालों का क्रम तेजी से चला है।

रोहित लांबा का पारिवारिक नाता बेसिक रूप मिठ्ठी गांव से हैं और पिछले 20 वर्षों से शिक्षा नगरी बहल में आबाद है। इससे पूर्व इसी वर्ष मार्च में मुंबई में आयोजित यूरो-एशिया इंटर नेशनल वर्ल्ड फुनाकोशी शोटोकन कराटे संगठन कराटे चैंपियनशिप में गांव मिठ्ठी के लाडले रोहित पवन कुमार लांबा ने 84 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक हासिल किया था। रोहित लांबा की लगातार इंटर नेशनल चैंपियनशिप में तीसरी जीत हासिल की है

। तीसरा बार गोल्ड मेडल हासिल कर रोहित लांबा ने प्रदेश, जिले व गांव के साथ बहल का नाम रोशन किया। कराटे खिलाड़ी रोहित लांबा हरियाणा पुलिस हैड कांस्टेबल पवन कुमार लांबा गांव मिठी वासी का बेटा है और कस्बे बहल में आबाद है। रोहित के मेडल जीतने का जश्न मिठ्ठी व बहल में भी मनाया जा रहा है।

गुजवि ने किए विभिन्न विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 20 मई। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने विभिन्न विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि दिसम्बर 2024 में आयोजित एमएससी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डाटा साइंस प्रथम सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2023, एमए इंगलिश कोर्स कोड-240 तृतीय सेमेस्टर (रिअपीयर व मेन) बैच 2022 व 2023, एमएससी फिजिक्स तृतीय सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2021-2022, एमएससी साइकोलॉजी प्रथम सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2021-2022, पीजीडीजी एंड सी प्रथम सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2023, इंटेग्रेटिड बीएससी फिजिकल साईंसिज-एमएससी केमिस्ट्री एनईपी-2020 प्रथम सेमेस्टर (मेन) बैच 2024, इंटेग्रेटिड बीएससी फिजिकल साईंसिज-एमएससी मैथेमेटिक्स एनईपी-2020 प्रथम सेमेस्टर (मेन) बैच 2024, इंटेग्रेटिड बीएससी फिजिकल साईंसिज-एमएससी फिजिक्स एनईपी-2020 प्रथम सेमेस्टर (मेन) बैच 2024, एमसीए तृतीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2023, बीएससी मैथेमेटिक्स ड्युअल डिग्री पंचम सेमेस्टर (मेन) बैच 2022, एमएससी मैथेमेटिक्स ड्युअल डिग्री प्रथम सेमेस्टर (मेन) बैच 2021, एमएससी बायोटेक ड्युअल डिग्री तृतीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2021, इंटेग्रेटिड बीएससी ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च-एमएससी जियोग्राफी एनईपी-2020 प्रथम सेमेस्टर (मेन) बैच 2024, इंटेग्रेटिड बीएससी ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च-एमएससी जियोग्राफी एनईपी-2020 तृतीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2023, बीटेक फूड टेक्नोलॉजी तृतीय सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2020, बीटेक प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी तृतीय सेमेस्टर (मेन) बैच 2023, बीएड पार्ट टाइम प्रथम सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2022, बीएड पार्ट टाइम प्रथम सेमेस्टर (मेन) बैच 2023 तथा बीकॉम जनरल कोर्स कोड-229 प्रथम सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2020 व 2021 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है।

विद्यार्थियों को सैल्फ डिफैंस के बारे में दी जानकारी

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 20 मई। जिला एवं सत्र न्यायधीश दिनेश कुमार के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र की सीजेएम एवं सचिव नीतिका भारद्वाज द्वारा एंटी टीसिंग पर जागरुकता अभियान चलाए गए है, जिसके तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पिपली में यह जागरुकता अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों को छेड़छाड़ को रोकने और बेटी को सम्मान देने के लिए जागरुक किया गया। साथ ही उन्हें हेल्पलाइन नंबर 1091, 112, 1098 के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्हें सैल्फ डिफैंस के बारे में भी जानकारी दी गई।

पक्का घाट पर स्थित बरसाती नाले की टुटी हूई पुलिया दे रही हादसो को न्योता

स्थानीय लोगों में नगरपालिका की प्रणाली को लेकर भारी रोष व्यक्त किया

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी
रादौर, 20 मई। शहर के पक्का घाट पर स्थित आदि क्षेत्रपाल नगरखेडे के साथ लगता बना बरसाती पानी निकासी के नाले की पुलिया हादसो को न्योता दे रही है। स्थानीय लोगों ने कई बार नगरपालिका कर्मचारियों को इसकी शिकायत की। लेकिन नगरपालिका के कर्मचारी किसी अप्रिय दुघर्टना का इंतजार कर रहे है। जिससे

स्थानीय लोगों में नगरपालिका की प्रणाली को लेकर भारी रोष है। स्थानीय लोगों में नगर पालिका रादौर की कार्यप्रणाली पर लगाया प्रश्न चिन्ह। टुटे पड़े नाले के कारण काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। लेकिन नपा कर्मचारी कुंभकर्णी नींद सोये हुए है। स्थानीय निवासी जसविन्द्र सैनी,हुक्मा,महिन्द्र ,श्याम लाल, राजेंद सैनी, शुभम शर्मा, प्रदीप जोशी, सोनू केवल, पवन सिंह, विजय सैनी,धर्मबीर सैनी,रोशन आदि ने बताया कि नगर खेडे के पास नगरपालिका की ओर से नाला बनाया गया है। नाला एकदम मोड पर टूट चुका है। टूटे नाले के अंदर से लोहे के सरिये बाहर आने लगे है। जिससे कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने नगरपालिका कर्मचारियों से अपील की कि जल्द से जल्द टूटे नाले की मुरम्मत करवाई जाये। इस समस्या को लेकर पक्ष जानने के लिए जब इस बारे संबधित अधिकारी से बात करनी चाही तो उनका फोन बंद पाया गया।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी के समक्ष रखे मुख्य मुद्दे

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 20 मई। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ की महत्वपूर्ण बैठक जिला प्रधान राजेंद्र टंडन की अगुवाई में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक से हुई। सर्वप्रथम जिला इकाई ने डिप्टी डीईईओ इंदु कौशिक को पुष्प गुच्छ देकर डिप्टी डीईईओ पद पर पदोन्नति की उन्हें बधाई दी। तदोपरांत जिला महासचिव संदीप चौहान ने संगठन की तरफ से विभिन्न मुद्दों को जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी के समक्ष रखा। मुख्य मुद्दे 2017 बैच के कर्मचारियों के नोशन बेनिफिट संबंधी मामलों के निपटान बारे, 2017 बैच का एसीपी मामले का पत्र जारी बारे, 2017, 2 वर्ष की समय अवधि पूर्ण कर चुके जेबीटी को कंफर्म किया जाए। प्राथमिक विद्यालय अंडर 11 स्टेट गेम्स का टीए, डीए दिया जाए, बीएलओ की नियुक्ति संबंधित विद्यालयों के कैंपस से ही की जाए, मेडिकल क्लेम के बारे में स्पष्ट आदेश दिए जाएं, वृद्धावस्था पेंशन के कारण रुके मेडिकल बिल का भुगतान किया जाए, मल्टी पर्पज वर्कर कार्य हेतु चौकीदारों के नाम स्वीपर पद का पत्र जारी किया जाए, सभी अध्यापकों को टैब हेतु सिम जारी किए जाए, टैब को अपडेट करवाया जाए, डिजिटल बोर्ड को फ्री ऑफ कॉस्ट रिपेयर करवाई जाए, एलटीसी के 2023 से 27 के मामले मांगे जाएं, सभी विद्यालयों की किताबों की पूर्ति की जाए, एमडीएम राशन की आपूर्ति समय पर की जाए, एकल अध्यापक स्कूलों में एडजस्टमेंट की जाए आदि मांगों को रखा गया। जिस पर अधिकारी ने जल्द से जल्द सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। जिला कार्यकारिणी की तरफ से मुख्य रूप से मोनिका भारद्वाज, अनुपम, नरेंद्र प्रकाश, सुधीर, पिहोवा प्रधान राजेंद्र जांगड़ा, लाडवा प्रधान अमन पाल, थानेसर प्रधान नरेश फूले, शाहाबाद प्रधान सुरेश, बाबैन प्रधान राजबीर, नरेश नय्यर, शाहबाद महासचिव धर्मवीर, कोषाध्यक्ष प्रवीण, देवदत्त आदि मौजूद रहे।

सांसद नवीन जिन्दल और जिन्दल स्टील के कर्मचारी सीमावर्ती गांवों के पुनर्वास के लिए देंगे एक दिन का वेतन

सांसद नवीन जिन्दल की पहल देशभक्ति की भावना से प्रेरित : डॉ. राज कुमार

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 20 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता ने जहां देश को गौरव से भर दिया, वहीं जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले हजारों नागरिकों को भीषण मानवीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तानी सेना द्वारा की गई बर्बर गोलाबारी में निर्दोष लोगों की जान गई और घर-गांव तबाह हो गए। ऐसे कठिन समय में जिन्दल स्टील के चेयरमैन और कुरुक्षेत्र से लोकसभा सांसद नवीन जिन्दल ने एक संवेदनशील और मानवीय पहल करते हुए इन पीड़ित परिवारों के पुनर्वास में सहयोग का संकल्प लिया है। इस पहल के तहत सांसद नवीन जिन्दल ने राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की है। इस सहयोग

में जिन्दल स्टील समूह के 20 हजार से अधिक कर्मचारियों द्वारा स्वेच्छा से अपना एक दिन का वेतन देना भी शामिल है। यह सहायता एक व्यक्तिगत दायित्व के साथ साथ एक सामूहिक राष्ट्रीय कर्तव्य भी है। सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि सीमा पर रहने वाले हमारे नागरिक भी सैनिकों से कम नहीं हैं। उनका साहस, धैर्य और बलिदान प्रेरणास्पद है। आज जब वे कठिनाई में हैं, तो उनकी सहायता करना हम सभी का नैतिक और राष्ट्रीय कर्तव्य है। हम देशवासियों से अपील करते हैं कि वे भी इस पुनीत कार्य में योगदान दें। सांसद नवीन जिन्दल के मीडिया सलाहकार डॉ. राज कुमार ने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल का यह निर्णय न केवल एक आर्थिक सहायता है, बल्कि देश से उनके गहरे प्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रमाण भी है। सीमावर्ती क्षेत्रों के हमारे नागरिकों को यह भरोसा दिलाना आवश्यक है कि संकट की इस घड़ी में देश उनके साथ खड़ा है।

उन्होंने कहा कि जिन्दल स्टील परिवार की यह एकजुटता न केवल पुनर्वास की दिशा में एक ठोस कदम है, बल्कि यह राष्ट्र सेवा की भावना को भी जीवंत बनाती है। यही संकल्प एक सशक्त और एकजुट भारत की नींव है। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या के बाद भारत ने आपरेशन सिंदूर के माध्यम से सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की। इस दौरान पाकिस्तान की ओर से की गई गोलाबारी में कई भारतीय गांव प्रभावित हुए, जिससे कई नागरिक विस्थापित हो गए। जिन्दल स्टील का यह योगदान कोई नया उदाहरण नहीं है। इससे पूर्व भी कंपनी ने कोविड-19 संकट के दौरान देशभर में आक्सीजन आपूर्ति से लेकर मुफ्त भोजन वितरण तक अनेक राहत कार्य किये थे और पीएम केयर्स फंड में 25 करोड़ रुपये का योगदान दिया था। 2013 की उत्तराखंड आपदा में भी कंपनी ने सहायता की थी। इस तरह जिन्दल स्टील हर संकट में राष्ट्र के साथ खड़ी रही है।

कुवि जनसंचार के विद्यार्थियों ने की फिल्म सहायता वितरण कार्यक्रम की डाक्यूमेंटेशन

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 20 मई। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के विद्यार्थियों को गत दिवस सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा निवास, चंडीगढ़ में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम डिस्बर्सल आफ इंसेंटिव टू फिल्म प्रोड्यूसर्स कार्यक्रम की डाक्यूमेंटेशन का अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम की फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, रील, डॉक्यूमेंट्री बनाकर कौशलता का परिचय दिया। यह कार्यक्रम हरियाणा फिल्म एंड एंटरटेनमेंट पॉलसी-2022 के तहत हुआ जिसमें हरियाणवी फिल्म निमार्ताओं, कलाकारों को सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महा सिंह पूनिया ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कार्यक्रम में सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ कार्य करना संस्थान के विद्यार्थियों की प्रतिभाओं का सफल कार्यान्वयन है। कार्यक्रम में जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. महा सिंह पूनिया, युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला, जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. अभिनव सहित अनेक विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

गीता कन्या विद्यालय में कन्या भारती शपथ समारोह किया आयोजित

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 20 मई। विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में संचालित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कन्या भारती शपथ समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया । इस कार्यक्रम में बालिका शिक्षा प्रांत प्रभारी सरोज सैनी एवं महिला प्रतिनिधि अंजलि शर्मा उपस्थित रहीं। सरोज सैनी ने बालिकाओं का मार्गदर्शन करते हुए बताया कि कन्या भारती के समस्त सदस्य एक संगठन के रूप में विद्यालय के विकास एवं सभी बालिकाओं की प्रगति को ध्यान में रखते हुए अपने दायित्व को निभाएंगी। किसी भी व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने में व्यवस्था से जुड़े सभी सदस्यों का समान योगदान रहता है। कक्षा एकादश की स्नेहा अध्यक्ष एवं खुशी उपाध्यक्ष का कार्यभार संभालेगी। कन्या भारती के सभी चयनित पदाधिकारियों को तिलक एवं पट्टिका पहनाई गई। विद्यालय प्राचार्य सुमन बाला, बालिका शिक्षा प्रभारी सरोज सैनी एवं महिला प्रतिनिधि अंजलि शर्मा ने बच्चों को आशीर्वाद दिया एवं शपथ ग्रहण कराई गई। मातृ भारती के विभिन्न सदस्य माताएं भी उपस्थित रही। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह कलेर, उपाध्यक्ष जितेंद्र जांगड़ा, कोषाध्यक्ष सुरेश सैनी, प्रबंधक बलबीर प्रकाश, सदस्य डॉ सौरभ त्रिखा एवं राजेश अग्रवाल, महिला प्रतिनिधि अंजलि शर्मा, प्रांत प्रतिनिधि संजय चौधरी, प्रधानाचार्य सुमन बाला ने सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में तिरंगा यात्रा का हुआ आयोजन देशभक्ति से गूंज उठा रतिया

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया, 20 मई। भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को सलाम करते हुए तथा आम जन में देशभक्ति व राष्ट्रवाद की भावना को प्रबल करने के उद्देश्य से रतिया में आज भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा ऑपरेशन सिंदूर के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि स्वरुप निकाली गई। जिसमें सैकड़ो लोगों ने उत्साह पूर्वक व पूरे जोश से भाग लिया यात्रा की अगुवाई भाजपा की पूर्व लोकसभा सांसद सुनीता दुग्गल, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा , एसी आयोग के चैयरमैन रविन्द्र बलियाला व भाजपा मंडल अध्यक्ष अंकित सिंगला ने की। यात्रा का शुभारंभ अग्रवाल धर्मशाला से हुआ

अग्रवाल धर्मशाला से यह यात्रा मैन बाजार होते हुए स्थानीय भगत सिंह चौंक तक निकाली गई। जहां शहीद भगत सिंह की प्रतिमा को पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल व भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने माल्यर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी । यात्रा के दौरान हिंदुस्तान जिंदाबाद, भारत माता की जय, भारतीय सेना जिंदाबाद और आतंकवाद मुदार्बाद जैसे गगन भेदी नारों से वातावरण देशभक्ति से सारोवार हो गया। जगह-जगह पर पुष्प वर्षा और देशभक्ति की गीतों ने इस यात्रा को एक भावनात्मक और प्रेरणादाई रूप दिया । भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सेना कार्यवाही नहीं बल्कि उन बहन बेटियों को न्याय दिलाने का संकल्प है जिनका सम्मान आंतकियो ने छीना था । पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा राष्ट्र धर्म निभाने का प्रतीक है ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल भारत की सेना शक्ति का प्रदर्शन किया बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की दृढ़ इच्छा शक्ति और आत्म बल का भी परिचय दिया । इस गौरवपूर्ण अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष बलदेव ग्रोहा,सयोंजक इंदर गावड़ी,सभी मंडल अध्यक्ष संदीप तनेजा,लखविंदर सिंह,हवा सिंह, भाजपा महिला जिला अध्यक्ष डॉ सुमन बजाज, पूनम सिंगला, मंजू बाजीगर,सुखविंदर गोयल विज्ञान सागर बाघला, बिबो इन्दौरा,सतपाल जिंदल भाजपा मंडल सचिव जैकी गर्ग, उपप्रधान प्रवीण गर्ग, रिकी मोंगा,कपिल सिंगला, संजू जांगड़ा विक्की ग्रोवर विनोद जग्गा,जसवीर ठेकेदार,डॉ सुनील इन्दौरा, मीडिया प्रभारी नीटू गोयल आदि सेंकडो की संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता व शहर की सभी धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल थे।

जन-गण की सेवा करना ही हमारा उद्देश्य :प्रदीप बंसल

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर
रतिया, 20 मई। लायंस क्लब रतिया सिटी समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवा करते हुए अग्रणी भूमिका निभा रहा है।फूड फॉर हंगर प्रोजेक्ट के अंतर्गत कल श्री गुरु नानक गौशाला रतिया में लायन सुखचरण दास अरोड़ा की तरफ से सवामनी और हरा चारा की सेवा की गई। इसी कड़ी में आज लायन गोपाल चंद कुलरियां की पोती खुशी के जन्मदिन के अवसर पर मां की रसोई कम्युनिटी सेंटर रतिया में लंगर सेवा की गई। क्लब अध्यक्ष लाइन प्रदीप बंसल ने बताया किअब तक हमारा क्लब 430 प्लस प्रोजेक्ट समाज सेवा के कर चुका है और यह आगे भी जारी रहेंगे। उन्होंने आगे बताया कि गौ माता की सेवा करके और

जरूरतमंदों को भोजन खिलाकर उनकी सेवा करके मन को बड़ा सुकून और शांति मिलती है हमारे क्लब के सदस्य किसी शुभ अवसर पर,जन्मदिन पर, वैवाहिक वर्षगांठ पर,पुण्यतिथि पर, यह कार्य करते रहते हैं।

इस अवसर पर क्लब के वरिष्ठ सदस्य लायन शिवकुमार गर्ग, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष लायन विजय ग्रोवर,नीतीश अग्रवाल, राघव बंसल,खुशी गर्ग,सुखचरण दास अरोड़ा, खेमचंद मोंगा राजू अरोड़ा नंबरदार सुदर्शन मेहता आदि उपस्थित रहे। मां की रसोई के मुख्य सेवादार श्री राजू जी ने बताया कि यहां लगभग 400 से 500 लोग रोजाना भोजन करते हैं और हर रोज बदल-बदल कर सब्जी दाल आदि बनाई जाती है। घर के जैसा खाना यहां तैयार किया जाता है। अस्पताल में भी जरूरतमंद मरीजों को खाना पहुंचाया जाता है।उन बुजुर्गों को घरों में खाना पहुंचाया जाता है जिनको कोई संभालने वाला नहीं है। यह सारा खर्च इलाके के दानी सज्जनों द्वारा किया जाता है। उन्होंने अपील की कि ज्यादा से ज्यादा माँकी रसोई में अपना योगदान देते रहें।

गीता निकेतन विद्या मंदिर विद्यालय में बाल भारती गठन

हरियाणा वाटिका/एकजोत
कुरुक्षेत्र, 20 मई। गीता निकेतन विद्या मंदिर सेक्टर 3 विद्यालय में बाल भारती गठन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने बाल भारती के सदस्यों के रूप में शपथ ली और अपनी जिम्मेदारियों को समझा। बाल भारती का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सामुदायिक सेवा की भावना को विकसित करना है। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुमित कुमार ने कहा कि बाल भारती का गठन हमारे विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिससे वे अपने कौशल और व्यक्तित्व को विकसित कर सकें। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया और बाल भारती के सदस्यों के रूप में अपनी भूमिका को समझा। विद्यालय के आचार्यों ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। बाल भारती गठन के माध्यम से विद्यार्थियों को एक नई दिशा देने का प्रयास किया गया है। जिसे नेतृत्व गुण का विकास हो सके।

जिला स्तरीय सडक सुरक्षा समिति की मासिक बैठक आयोजित

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी
हिसार, 20 मई। जिला स्तरीय सडक सुरक्षा समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त अनीश यादव ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिलों के विभिन्न सडक मार्ग के ब्लैक स्पॉट, टेबल टॉप ब्रेकर की आवश्यकता, साइन बोर्ड, रोड मार्किंग, अवैध कट बंद करने व अन्य सुरक्षा उपायों के संबंध में फील्ड विजिट करके विस्तृत रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत करने की हिदायत दी है।

उन्होंने कहा कि सडक सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने हिट एंड रन के मामलों में अधिकारियों को त्वरित व सख्त फैसले लेने के निर्देश दिए। उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि सडक सुरक्षा समिति से पास किए गए एजेंडे पर अधिकारी गंभीरता से कार्य करें और जहां भी कमी नजर आए, उसे तुरंत दुरुस्त कराया जाए।

भाविप शाखा रादौर द्वारा लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशती जयंती मनाई

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी
रादौर, 20 मई। भारत विकास परिषद शाखा रादौर की ओर से स्थानीय आर्य समाज भवन में मंगलवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज को महान रानी अहिल्याबाई होल्कर की जीवनी से अवगत कराना और उनके द्वारा स्थापित आदर्शों से प्रेरणा लेना था। कार्यक्रम में मंच पर मुख्यवक्ता भूपेश अरोड़ा प्रांतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख,संघ व भजपा नेता विशिष्ट अतिथि नेपाल राणा ने शिरकत की। इस मौके पर अहिल्याबाई होल्कर त्रिशती जयंती आयोजन समिति के जिला संरक्षक मान सिंह आर्य व जिला सह संयोजक डॉ बिमल गर्ग उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रम में माता अहिल्याबाई के जीवन व उनके नेतृत्व कौशल, दृढ़ता, समर्पण, प्रतिबद्धता, उनके द्वारा किए गए सामाजिक सुधारों एवं नारी सशक्तिकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर भारत विकास परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि माता अहिल्याबाई होल्कर एक प्रेरणास्त्रोत हैं और उनके जीवन की कहानी सभी को प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और समाज एवं राष्ट्र के लिए बेहतर कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम का मंच संचालन शाखा की उपाध्यक्ष अनीता पुजारा द्वारा किया गया। शाखा की महिला सदस्य मीना माटिया, रस्मीन कौर, नीतू चोपड़ा उपस्थित रही।

रहस्यमयी कमरुनाग झील

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है।

भारत का पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश अपने पौराणिक महत्त्व के साथ-साथ रहस्यों का गढ़ भी माना जाता है। बर्फ की चादर ओढ़े यहां कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका प्राचीन इतिहास अपने अंदर कई गहरे राज्य समेटे हुए है। यही नहीं यहां के कुछ स्थलों की पहचान तो महाभारत काल से की गई है, वहीं कुछ स्थल अब भी रहस्यमयी बने हुए हैं। इन रहस्यों में छिपे अरबों-खरबों के खजाने के राज।

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है।

हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है। कमरुनाग झील हिमाचल की प्रमुख झीलों में से एक है। यह मंडी घाटी की तीसरी प्रमुख झील है। इस झील का नाम घाटी के देवता कमरुनाग के नाम पर पड़ा है। जहां जून माह में विशेष मेले का आयोजन होता है।

धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। यूं तो दुनियाभर से लोग हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों को देखने के लिए आते हैं। यहां ऐसे कई खूबसूरत नजारें मौजूद है, जिन्हें देखने के बाद विदेशी क्या देसी लोग भी दीवाने हो जाते हैं। मण्डी से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर रोहांडा के घने जंगलों में स्थित कमरुनाग झील में अरबों का खजाना छुपा है। हालांकि झील के गर्भ से अब तक किसी ने इस खजाने को निकालने की हिम्मत नहीं की। इसका कारण बेहद ही चौंकाने वाला है। दरअसल, यहां एक बहुत ही मशहूर मंदिर है और इसी मंदिर के पास कमरुनाग झील है।

जून माह में विशेष महत्व

इस स्थल का जून माह में विशेष महत्व है। दरअसल जून के महीने में यहां एक विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। इस खास मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं।

मनोकामना के लिए चढ़ाए जाते हैं हीरे-जवाहरात

कहा जाता है कि जो भी भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं, वो इस झील में सोने-चांदी के गहने और रुपये-पैसे डालते हैं। दूर-दूर से आए लोग मनोकामना पूरी होने पर झील में करंसी, नोट, हीरे-जवाहरात चढ़ाते हैं। महिलाएं सोने चांदी के जेवर इस झील को अर्पित कर देती हैं। यह झील आभूषणों से भरी है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसी परंपरा के आधार पर यह माना जाता है कि इस झील में अरबों का खजाना है।

भेंट चढ़ाने का भी निश्चित समय

झील में अपने आराध्य के नाम से भेंट चढ़ाने का भी एक शुभ समय है। जब देवता को कलेबा लगेगा अर्थात भोग लगेगा, तब ही झील में भेंट डाली जाती है।

अरबों का खजाना, फिर भी नहीं सुरक्षा का प्रबंध

झील में अरबों की दौलत होने के बावजूद सुरक्षा का कोई प्रबंध नहीं है। लोगों की आस्था है कि कमरुनाग इस खजाने की रक्षा करते हैं। देव कमरुनाग मंडी जिला के सबसे बड़े देव हैं।

फूलों की अनूठी परेड

नीदरलैंड का छोटा-सा कम आबादी वाला शहर है जनडर्ट। यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। ट्यूलिप का मौसम आते ही नीदरलैंड में मानों फूल ही फूल नजर आने लगते हैं। देश का प्रसिद्ध बल्ब फ्लावर सेलिब्रेशन होता है जिसमें हर साल फूलों की परेड निकाली जाती है और यह सिर्फ परेड नहीं होती बल्कि सबसे बेहतर मॉडल तैयार करने का कॉम्पीटिशन भी होता है। यह कॉम्पीटिशन 1936 से ही इसी तरह हर साल आयोजित होती रही है। वैसे तो यह कार्यक्रम सितंबर महीने के फर्स्ट वीक में होता है, लेकिन इसकी तैयारियां मई और जून से ही शुरू हो जाती है। पूरे नीदरलैंड से लोग इसमें हिस्सा लेने तो पहुंचते ही हैं लेकिन जनडर्ट शहर के लोगों के लिए यह किसी फेस्टिवल से कम नहीं होता। इसमें हर एज ग्रुप के लोग चाहे बच्चे हों या बूढ़े, बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

नीदरलैंड का छोटा-सा शहर है जनडर्ट, भले ही यह शहर आकार और आबादी में छोटा हो, लेकिन यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें पूरे देश के आर्टिस्ट अपने मॉडल के साथ परेड करते हैं और जिनका मॉडल सबसे बेहतर होता है उन्हें प्राइज दिया जाता है।

कैसे होती है तैयारियां

- मॉडल्स वायर, कार्डबोर्ड और हजारों डहेलिया फूलों से तैयार किए जाते हैं, जो खासतौर से परेड के लिए उगाए जाते हैं।
- फूलों से जो मॉडल तैयार किए जाते हैं उसकी पहली शर्त होती है कि वो कलरफुल और ब्राइट होने चाहिए। साथ ही जो फूल मॉडल के ऊपर लगाए जाते हैं वो तीन दिन पहले लगाए जाने चाहिए उससे पहले नहीं।
- मॉडल के ऊपर डहेलिया लगाने के काम में हजारों वॉलेंटियर दिन-रात काम करते हैं।
- सबसे बेहतरीन मॉडल चुनने के लिए ज्यूरी होती है जो विनर का नाम सिलेक्ट करती है।

फूल उगाना बुजुर्गों का काम

मॉडल को तैयार करने के लिए अलग-अलग रंगों के सिर्फ डहेलिया फूलों को ही यूज करते हैं। फूलों को उगाने का काम जहां बुजुर्ग करते हैं वहीं यंगस्टर्स मॉडल की डिज़ाइनिंग और उसके कंसेप्ट पर काम करते हैं। यानी हर उम्र के लोग इस फेस्टिवल का हिस्सा बनते हैं।

एक तरह का छलावा है थ्री डी आर्ट

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे।

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे। जैसे जादू आंखों का धोखा है ठीक वैसे ही थ्री डी आर्ट भी एक तरह का छलावा है। यानी यहां जो जैसा दिखता है वो जरूरी नहीं कि वैसा ही हो। दुनियाभर में आज इस आर्ट को लेकर कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, पेपर और अन्य माध्यमों में थ्री डी आर्ट को प्रस्तुत किया जा रहा है। चलो इस दुनिया की सैर करते हैं।

जादू भरी करामात

थ्री डी आर्ट के मामले में असल चीज आर्टिस्ट की कल्पना ही है। इसी पर सारा जादू डिपेंड करता है। असली रंग, पेपर और मूर्तिकला के सामान के साथ ये आर्टिस्ट अनोखा संसार रच डालते हैं। जैसे किसी सड़क के बीच में बहती असली सी नदी या पेपर के एक टुकड़े पर रेंग रहा सांप। इसमें चीजों का एंगल जादू क्रिएट करने का काम करता है। यानी सामान्य पेंटिंग्स को भी कलाकार ऐसे एंगल के साथ प्रस्तुत करते हैं कि वो लाइव और एक्शन में दिखाई देता है। प्रस्तुत है ऐसे कुछ आर्टिस्ट-

चॉक से खड़ी तस्वीरें

लियोन कीर एक ऐसे थ्री डी आर्ट के महारथी हैं जो अपनी कला के जरिए लोगों तक पर्यावरण के संरक्षण से लेकर आम जीवन में भी इमोशंस को बनाए रखने का सन्देश पहुंचाते रहते हैं। नीदरलैंड के रहने वाले लिऑन देश-विदेश में कई जगह टू डी और थ्री डी स्ट्रीट आर्ट को प्रेजेंट कर चुके हैं। सैनिकों के वेश में बच्चों के खिलौने लेगो सिटी के जैसी भी आकृतियां उन्होंने बनाई जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। चॉक से बनाई गई यह लेगो टेराकोटा आर्मी एक इंटरनेशनल चॉक फेस्टिवल का हिस्सा रही है।

इनकी क्रिएटिविटी ने रचा इतिहास

जोए हिल और मैक्स लॉरी, थ्री डी आर्ट की फील्ड में एक ऐसा नाम बन गए हैं जिनकी पेंटिंग गिनीज बुक में भी शामिल की जा चुकी है। इतिहास रचने वाली ये पेंटिंग सबसे लम्बी और सबसे बड़ी पेंटिंग के तौर पर गिनीज बुक में शामिल हुई। ये दोनों ब्रिटिश आर्टिस्ट पिछले लगभग 10 सालों से इस फील्ड से जुड़े हैं। परियों की कहानियों से लेकर प्रिंस विलियम की शादी, निंजा टर्टल जैसे सुपर कैरेक्टर्स और असली दिखने वाले वॉटरफॉल जैसी कई आकृतियां ये दोनों दुनियाभर में घूम कर रचते रहे हैं। इसके अलावा वो कई सारे एड और मूवी प्रोजेक्ट्स के साथ भी जुड़े हुए हैं।

राजा की परेशानी

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

एक छोटा सा राज्य था। कुल दस-पांच हजार की आबादी रही होगी। जब राज्य था, आबादी थी, तो एक राजा भी था। भले ही छोटा राजा। वैसे भी जब राज्य था, तो सेना, मंत्री, सभासद भी थे।

इस राज्य में पहले अदालतें भी थीं। लेकिन वहां का राजा और प्रजा सभी शांतिप्रिय थे। कभी किसी से किसी का लड़ाई-झगड़ा नहीं होता था। इसलिए फिजूलखर्ची समझ अदालतें बंद कर दी गई। अपने पड़ोसी राज्यों से राजा के बड़े मित्रतापूर्ण संबंध थे। इसलिए सेना के नाम पर केवल सौ-सवा सौ सैनिक थे। किसी के भी पास तलवार-बंदूकें नहीं थीं। सबके हाथ में बस एक बेंत रहती थी। शांति बनाए रखने के लिए इतना काफी था।

एक बार राजा एक विचित्र परेशानी में फंस गया। राज्य में पहली बार एक व्यक्ति किसी के घर में चोरी के लिए घुसा। संयोग से वहां मारपीट हो गई। चोर के हाथों एक व्यक्ति मारा गया। सैनिक चोर को पकड़कर राजा के पास ले गए।

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

अचानक एक मंत्री बोला, महाराज, पड़ोस के राज्य में अदालतें हैं। जरूर वहां इस तरह के मामले आते होंगे। क्यों न इस चोर को दंड के निर्णय के लिए वहीं भेज दिया जाए।

राजा को यह सुझाव जंच गया। चोर को वहां भेजकर पड़ोसी राजा से एक फैसला लेने की प्रार्थना की गई। राजा की परेशानी टल गई। लेकिन दो दिन बाद ही चोर के साथ राजा की परेशानी फिर लौट आई। पहले से बड़ी होकर। वहां की अदालत ने फैसला दिया, 'चूंकि इस चोर ने हत्या की है। इसलिए इसका सिर कलम कर दिया जाए।' अब राजा के यहां कोई जल्लाद नहीं था। सैनिकों से कहा गया, तो उन्होंने साफ जवाब दे दिया, हमने किसी की इस तरह हत्या करना नहीं सीखा है। फिर हम इसके लिए रखे भी नहीं गए हैं। हमारे पास एक तलवार क्या, चाकू तक नहीं है।

राजा ने परेशान होकर फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। कई दिनों तक विचार मंथन हुआ। अंत में सब लोग इस नतीजे पर पहुंचे कि क्यों न इस चोर की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया जाए। राजा की परेशानी फिर टल गई।

मगर राज्य में कोई जेल नहीं थी, जहां सजा पाए अपराधी को रखा जाए। इसलिए एक कोठरी बनवाई गई। चोर को उसमें रखा गया। एक पहरेदार नियुक्त किया गया। वह चोर की निगरानी करता था। राजमहल से उसके लिए भोजन भी ले आता था।

राज्य की आमदनी बहुत मामूली थी। राजा के लिए इस पहरेदार का खर्च उठाना भारी पड़ गया। अब इस परेशानी से कैसे मुक्ति मिले? राजा ने फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। तय हुआ कि पहरेदार को हटा लिया जाए। चोर जहां जाना चाहे जाए। इस मुसीबत से छुटकारा पाने का यही एक उपाय था। अगले दिन चोर की नींद खुली, तो उसने देखा कि वहां पहरेदार नहीं था। दरवाजे भी खुले हुए थे। जब कोई और उसका भोजन लेकर नहीं आया, तो वह स्वयं थाली लेकर राजमहल पहुंच गया। फिर तो उस का रोज का यही काम हो गया। राजभवन से भोजन ले आता। फिर खा-पीकर चैन की नींद सो जाता। इस खर्च से राजा की परेशानी फिर बढ़ गई। उसने चोर को कहलवाया, अब तुम आजाद हो। जहां चाहो, भाग जाओ। कोई कुछ नहीं बोलेगा।

मगर चोर ने जवाब दिया, मैं भागकर अब कहां जाऊं? लोग मुझे देखते ही गालियां देंगे। मुझे मारने दौड़ेंगे। मुझे मौत की सजा क्यों नहीं दी गई?

राजा की परेशानी बढ़ी, तो उसने फिर मंत्रियों से सलाह ली। मंत्रियों ने सोच-विचारकर कहा, महाराज, इस का भोजन-पानी बंद कर दीजिए। भोजन नहीं मिलेगा, तो स्वयं कहीं निकल जाएगा। लेकिन चोर भी जाने को तैयार नहीं हुआ। वह भूखा-प्यासा ही रहने लगा। चोर ने लोगों से गुहार लगाई। वहां के लोगों को लगा कि उस व्यक्ति को इस तरह भूखा रखना तो सचमुच राजा का अन्याय है। उन्होंने राजा से इस बारे में पूछा। राजा ने स्वयं की परेशानी बताई।

बहुत सोच-विचार के बाद लोगों ने राजा से कहा, राजन, एक उपाय है। इस चोर को भोजन देने में आपको कोई आपत्ति नहीं होगी। इसने गैर इरादतन जो हत्या की है, उसका प्रायश्चित भी हो जाएगा। लोग इसका सम्मान भी करेंगे।

वह क्या? राजा ने प्रसन्नता से पूछा।

राजन, पिछले दो साल हमारे यहां अच्छी वर्षा नहीं हुई। इससे मार्गों के किनारे लगे अधिकाश वृक्ष सूख गए। जनता को यात्रा में बड़ा कष्ट होता है। आप इससे मार्गों के किनारे छायादार और फलों वाले वृक्ष लगवाएं। उसके बदले इसे रोजी-रोटी मिलेगी और पूरे राज्य का भला होगा। प्रजा भी इसको यह नेक काम करते देख, गालियां नहीं देगी। इसका आदर करेगी। इसके मन में भी फिर कभी अपराध न करने की भावना पैदा होगी।

राजा और उसका मंत्रिमंडल इस सुझाव से पूरी तरह संतुष्ट हुए। चोर को भी अच्छा लगा। काम मिला, रोटी मिली, लोगों का प्यार मिला। राजा को भी एक बड़ी परेशानी से मुक्ति मिल गई।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोनः01252-259260, 9255149495, ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिकाः- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।